

सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करने वाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता



ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र में सात राज्यसभा सीटों के लिए 16 को मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है, क्योंकि राज्य से सात राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी गई है। सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान 16 मार्च को होगा। इस बात की जानकारी रिटर्निंग ऑफिसर विलास अठवाले ने दी। उन्होंने कहा नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 5 मार्च है। 6 मार्च को नामांकनों की जांच होगी और 9 मार्च तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते हैं।

एजेएल और हड्डा को राहत हाईकोर्ट ने दी वलीन चिट

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हड्डा के खिलाफ लगे अपराधिक आरोपों को रद्द करते हुए उन्हें वलीन चिट दे दी है। यह मामला पंचकूला में एक संस्थागत प्लॉट के पुनः आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

कर्नाटक सीएम पद पर गृह मंत्री ने भी ठोका दावा

बंगलुरु। कर्नाटक में सीएम पद को लेकर खींचतान खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अब राज्य के गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर भी सीएम पद की रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर उनके समर्थक सीएम पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव दे रहे हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी कार्रबलियत पर कोई सवाल नहीं उठ सकता।

वांगचुक की रिहाई को लेकर प्रदर्शन की तैयारी

जोधपुर। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुंग की रिहाई की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा जोधपुर सेंट्रल जेल के बाहर प्रदर्शन का एलान किया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अलर्ट मोड पर नजर आई और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस ने मोहनपुरा पुलिसा के पास से सेंट्रल जेल की ओर जाने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया।

संज्ञान

बच्चों को ‘न्यायिक भ्रष्टाचार’ पढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कोर्ट ने विवादित अध्याय पर कड़ी नाराजगी जताई

‘बदनाम नहीं करने देंगे...’ एनसीईआरटी पर बरसे सीजेआई

एजेंसी ■ नई दिल्ली देश की सर्वोच्च अदालत ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 की नई किताब में शामिल एक विवादित अध्याय पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की छवि को धूमिल करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि वे खुद इस प्रकरण की जांच करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर कड़ी



चीफ जस्टिस ने संज्ञान लेकर कार्यवाही करने के लिए संकेत

कार्रवाई की जाएगी। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान कहा कि संस्था का मुखिया होने के नाते मैंने इस मामले पर संज्ञान लिया है। यह एक सोचा-

समझा कदम प्रतीत होता है। बार और बेंच से लेकर हाई कोर्ट के न्यायाधीश तक इस सामग्री से परेशान हैं। मैं किसी को भी इस संवैधानिक संस्था को बदनाम करने

की इजाजत नहीं दूंगा। कृपया कुछ दिन इंतजार कीजिए, कानून अपना काम करेगा।

पुराने और नए एडिशन में बड़ा अंतर

विवाद की जड़ कक्षा 8 की सोशल साइंस की नई पाठ्य पुस्तक है। पुराने एडिशन में जहां अदालतों की कार्यप्रणाली, उनकी संरचना और समाज में उनकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया था, वहीं नए एडिशन में ‘न्यायपालिका में भ्रष्टाचार’ शीर्षक से एक नया सेक्शन जोड़ा गया है।

कपिल सिब्बल ने उठाया था मुद्दा

यह मामला तब प्रकाश में आया जब वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कोर्ट को सूचित किया कि एनसीईआरटी कक्षा 8 के छात्रों को ‘ज्यूडिशियल करप्शन’ यानी न्यायिक भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ा रहा है। उन्होंने इसे न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ और अत्यंत चिंताजनक बताया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने इसे



‘चयनात्मक’ दृष्टिकोण बताते हुए सवाल उठाए। इस पर बेंच में शामिल जस्टिस बागची ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अध्याय संविधान के ‘बेसिक स्ट्रक्चर’ पर ही चोट करता प्रतीत होता है।

इजराइली संसद में पीएम मोदी बोले- शांति लाने की दिशा में भारत हमेशा आगे

शालोम इजराइल... मैं यहां दोबारा आकर और भी खुश हूं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एतिहासिक इस्राइल दौरे के दौरान बुधवार को इजराइली संसद नेसेट को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत शालोम और नमस्ते से की। उन्होंने कहा कि इस संसद के सामने खड़े होना सम्मान की बात है। भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर यह मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं आपके लिए लाया हूं। मुझे इस्राइल की पहली यात्रा करने वाले भारत के प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य मिला और मैं यहां दोबारा आकर और भी खुश हूं। मेरा जन्मदिन उसी दिन

मोदी-मोदी के नारों से गुंजा इजराइली संसद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसाइली संसद नेसेट को संबोधित करने वाले हैं। संसद में पहुंचने पर तालियों की गड़गड़ाहट और मोदी-मोदी नारों के साथ उनका स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसाइली संसद नेसेट पहुंच गए हैं, यहां उनका संबोधन हुआ। पीएम मोदी तेल अवीव में एक होटल में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखते हुए। उन्होंने यहां मौजूद भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। पीएम मोदी इसाइल के दो दिन के राजकीय दौरे पर हैं।

होता है, जिस दिन भारत ने इजराइल को एक देश के तौर पर मान्यता दी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने भी लंबे समय तक आतंकवाद के दर्द को सहा है। हम 26/11 मुंबई हमलों को याद करते हैं, जिसमें कई निदोष लोगों की जान गई, जिनमें इसाइली नागरिक भी शामिल थे। भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति भी हमेशा सख्त रही है और इसमें कोई

दोहरापन नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आतंकवाद समाज को अस्थिर करने, विकास को रोकने और भरोसा तोड़ने के लिए होता है। इसे रोकने के लिए लगातार और संगठित वैश्विक प्रयास जरूरी हैं क्योंकि कहीं भी आतंकवाद, दुनिया में शांति के लिए खतरा है। इसीलिए भारत सभी ऐसे प्रयासों का समर्थन करता है जो स्थायी

शांति और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा दें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिन की इजराइल यात्रा पर बुधवार को यहां तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे पहुंचे जहां प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, आँग गले लगाकर वेलकम किया। हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। उनके पहुंचने पर नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इजराइल में आपका स्वागत है, मेरे प्रिय मित्र नरेन्द्र मोदी। बता दें मोदी की इजरायल की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह 2017 में इजराइल गये थे।

सीएम योगी ने उत्तरप्रदेश में निवेश का दिया आमंत्रण, कई कंपनियों के साथ की चर्चा

यूपी निवेशकों को स्थिर नीति व निर्णय लेने वाली सरकार उपलब्ध कराता है

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

जापान दौरे के दौरान सीएम योगी ने मित्सुई प्रबंधन के साथ निवेश पर व्यापक चर्चा की। उन्हें यूपी में बड़े निवेश का आमंत्रण दिया। नवीकरणीय ऊर्जा, आईसीटी, सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर जैसे प्रमुख सेक्टर में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ जापान दौरे पर हैं। बुधवार को दौरे के पहले दिन वह टोक्यो पहुंचे। वहां पर तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। पहले दिन उन्होंने वैश्विक ट्रेडिंग और निवेश कंपनी मित्सुई एंड कंपनी लि. के प्रबंधन से मुलाकात की। उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों को तलाशने के लिए आमंत्रित किया। वहीं दूसरी ओर आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) के तहत आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग, डिजिटल सर्विसेज और स्टार्टअप इकोसिस्टम में निवेश पर चर्चा हुई। तीसरा सेक्टर सेमीकंडक्टर रहा। इसमें चिप निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन का विस्तार प्रमुख रहे। वहीं चौथा सेक्टर डेटा सेंटर रहा। इसमें हाइपर-स्केल डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल कनेक्टिविटी हब जैसे क्षेत्रों में निवेश को लेकर गहन विमर्श



हुआ।

यीडा में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क का उल्लेख

यही नहीं, उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) क्षेत्र में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क का विशेष उल्लेख भी किया। कहा कि यह परियोजना जापानी कंपनियों के लिए अत्यंत अनुकूल इकोसिस्टम उपलब्ध कराती है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, नीतिगत समर्थन

इन लोगों के साथ भी हुई बैठक

इसके अलावा सीएम ने शीगेकी तानाबे, सीनियर मैनेजिंग एजीक्यूटिव ऑफिसर एवं एजीक्यूटिव जनरल मैनेजर (सॉल्स मैनेजमेंट डिवीजन/गेमेसिटक बिजनेस प्रभारी), कोनोइके ट्रांसपोर्ट को. लिमिटेड के साथ बैठक कर विस्तृत चर्चा की। यूपी में लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल डिवाइस मैनुफैक्चरिंग में निवेश की संभावनाओं पर बातचीत हुई। सीएम ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश का भौगोलिक व औद्योगिक परिदृश्य अब निवेशकों के लिए असाधारण अवसर प्रस्तुत कर रहा है। राज्य सीधे डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) नेटवर्क से जुड़ा है। इससे माल ढुलाई की गति तेज और लागत प्रतिस्पर्धी बनती है। यह सुविधा निर्यातोन्मुख उद्योगों और ग्लोबल सप्लाय चेन से जुड़े निवेशकों के लिए बड़ा अवसर प्रदान करती है।

और सिंगल-विंडो क्लियरेंस की व्यवस्था के कारण यह क्षेत्र हाई-वैल्यू मैनुफैक्चरिंग के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने भारत-जापान

औद्योगिक सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश निवेशकों को न केवल भूमि और बुनियादी ढांचा देता है, बल्कि

भारत-जापान औद्योगिक संबंधों को नई गति

सीएम ने मित्सुई प्रबंधन को दीर्घकालिक साझेदारी के लिए आमंत्रित किया। कहा कि यूपी भारत-जापान आर्थिक सहयोग को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के साथ-साथ उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टर के कारण निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने राज्य सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों, सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम और समयबद्ध स्वीकृति प्रक्रिया के बारे में भी चर्चा के दौरान बताया। भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी और परिणामोन्मुख वातावरण उपलब्ध कराता है।

स्थिर नीति, कुशल मानव संसाधन और तेजी से निर्णय लेने वाली सरकार भी उपलब्ध कराता है।

किस मामले में हुई कार्रवाई?

इंडी की यह बड़ी कार्रवाई अनिल अंबानी की समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े एक कथित बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच का सीधा परिणाम है। इस नवीनतम आदेश के साथ ही, इस हाई-प्रोफाइल बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य अब लगभग 15,700 करोड़ रुपये के भारी-भरकम आंकड़े तक पहुंच गया है। इस मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं।

दो लाख करोड़ की खाद सब्सिडी सीधे खाते में

कृषि मंत्री की दो टूक: किसानों का पैसा रोकने पर लगेगा 12% ब्याज



मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों के आर्थिक हितों से जुड़ा कोई भी समझौता या लेटलतपीय अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भुगतान में देरी पर जुर्माना और डीबीटी पर जोर : किसानों के बकायों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कृषि मंत्री ने

चेतावनी दी कि जो भी एजेंसी या राज्य सरकार किसानों का पैसा रोकेंगी, उसे उस राशि पर 12 प्रतिशत ब्याज चुकाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वित्तीय देरी को खत्म करने के लिए अपना हिस्सा सीधे किसानों के खातों में भेजने के विकल्प पर काम कर रही है। इसके अलावा, एक बड़े नीतिगत बदलाव का संकेत देते हुए उन्होंने सालाना 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की खाद (उर्वरक) सब्सिडी को सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने पर विचार करने की बात कही, ताकि वास्तविक अन्नदाता को इसका सीधा फायदा मिल सके।

बंगाल में एसआईआर पर अब बीजेपी का बवाल

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एआईआर) प्रक्रिया को लेकर जहां सत्तारूढ़ गुणमूल कांग्रेस पहले से ही हंगामा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कर रही है, वहीं अब इस विवाद में विपक्षी भाजपा भी कूद पड़ी है। भारतीय जनता पार्टी ने एसआईआर पर एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्व मुख्य सचिव मनोज पंत की मौजूदगी को लेकर सवाल खड़े किए हैं और इसे पूरी तरह अवैध करार देते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। पश्चिम बंगाल बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजुमदार ने उत्तर

24 परगना के बारासात में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि बैठक केवल निर्धारित अधिकारियों के साथ होनी चाहिए, जिसमें राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, एडवोकेट जनरल और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल शामिल हों। मजुमदार ने कहा कि मनोज पंत अब मुख्य सचिव नहीं हैं, ऐसे में उनकी बैठक में मौजूदगी पूरी तरह गैरकानूनी है।

पूर्व मुख्य सचिव की गिरफ्तारी की उठ रही मांग

ब्रीफ न्यूज

आज से पर्यटन स्थलों पर महिला सुरक्षा को लेकर कार्यशाला

भोपाल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में ‘महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना’ के अंतर्गत पर्यटन स्थलों पर महिला सुरक्षा- पुलिस की भूमिका एवं रणनीति विषय पर तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन 26 से 28 फरवरी तक होटल पलाश रेसिडेंसी, भोपाल में किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य पर्यटन और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पर्यटन स्थलों पर महिला पर्यटकों की सुरक्षा, सहजता और विश्वास को मजबूत करना है। कार्यक्रम में गृह, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन बोर्ड, पर्यटन निगम और विभिन्न विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

शंकराचार्य मठ की बिल्डिंग पर चला बुलडोजर

भोपाल। मध्य प्रदेश की महाकाल नगरी उज्जैन में साल 2028 में सिंहस्थ होना है, जिसको लेकर प्रशासन द्वारा अभी से तैयारियां शुरू हो गई हैं। बुधवार को सिंहस्थ 2028 को लेकर प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई की। गौर करने वाली बात यह है कि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण की यह कार्रवाई शंकराचार्य मठ की बिल्डिंग और धर्मशालाओं पर की गई है। लिहाजा नगर निगम ने शहर में 5 प्रॉपर्टी को ध्वस्त किया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार शंकराचार्य मठ की 3 मंजिला बिल्डिंग है, लोहे के पुल के पास नर्सिंह घाट के लिए जाते वक्त कर्कराज पार्किंग के यहां क्षिप्रा नदी के किनारे पुण्यनंद गिरी महाराज का आश्रम है। बिल्डिंग में 54 कमरे बनाये गए थे, जो कि लगभग 15000 वर्ग फुट क्षेत्र में बना हुआ है। बिल्डिंग को सुबह से शाम तक 70 प्रतिशत ध्वस्त किया गया है, आगे कार्रवाई जारी है।

मालवा निमाड़ का 87वां ग़्रिड बुरहानपुर में ऊर्जीकृत

भोपाल। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्पड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में मालवा निमाड़ निमाड़ में नए 33/11 केवी ग़्रिड श्रृंखलाबद्ध रूप से बनाए जा रहे हैं। आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ का 87वां सब स्टेशन बुरहानपुर शहर के मंडी क्षेत्र में ऊर्जीकृत किया गया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस नये ग़्रिड से बुरहानपुर मध्य शहर के हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ का 26वां और पश्चिम क्षेत्र कंपनी का यह 87वां ग़्रिड बुरहानपुर के मध्य शहरी क्षेत्र में 2.18 करोड़ रूपए से निर्मित हुआ है। इसकी क्षमता 5 एमवीए है। इससे मध्य शहरी क्षेत्र को ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी।

‘वीमेन इन साइंस’ थीम के साथ मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

नवाचार और नारी सहभागिता पर होगा विशेष फोकस

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) द्वारा 28 फरवरी को ‘राष्ट्रीय विज्ञान दिवस’ के अवसर पर प्रदेश में विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार आधारित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम ‘वीमेन इन साइंस: कैटेलाइजिंग विकसित भारत’ है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की सशक्त भूमिका और विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय सहभागिता को रेखांकित करती है। थीम के अनुरूप आयोजनों में विज्ञान एवं अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को सम्मानित करने और छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में करियर के लिए प्रेरित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का राज्य स्तरीय



मुख्य कार्यक्रम 28 फरवरी को रवीन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित होगा। कार्यक्रम में महिला वैज्ञानिकों एवं

नवाचारकर्ताओं के विचार-विमर्श,



विशेषज्ञ व्याख्यान, आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी द्वारा ‘स्टेम शो’ और 41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया

जाएगा। आयोजन में लगभग 1500 विद्यार्थी एवं शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से सहभागी होंगे। साथ ही प्रदेश के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, स्वैच्छिक संगठनों और अनुसंधान संस्थानों से विद्यार्थी, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं विज्ञान संचारक कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ेंगे। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रदेश के 45 जिलों में लगभग 260 शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें विज्ञान मॉडल प्रदर्शनियां, प्रेक व्याख्यान, विज्ञान जागरूकता गतिविधियां, विद्यार्थी-उन्मुख कार्यक्रम, नवाचार आधारित प्रतियोगिताएं, विज्ञान फिल्म प्रदर्शन, भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर संवाद तथा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संवाद शामिल होंगे। इन गतिविधियों का

उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक चेतना और तार्किक सोच को प्रोत्साहित करना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष 28 फरवरी को महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा वर्ष 1928 में ‘रमन प्रभाव’ की खोज की स्मृति में मनाया जाता है। इस खोज के लिए उन्हें वर्ष 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 1986 में भारत सरकार ने 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस घोषित किया। इस दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना, वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित यह पहल प्रदेश में वैज्ञानिक सोच, नवाचार संस्कृति एवं लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम ने पं. दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित, कहा-

समाजसेवा को तप से किया सिद्ध, जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा



मुख्यमंत्री राष्ट्ररूषि नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि के संदर्भ में चित्रकूट स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय

कार्यक्रम को विधानसभा भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। स्व. नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

चित्रकूट को भगवान श्री राम की तपोस्थली के साथ-साथ नानाजी देशमुख की कर्मस्थली होने का भी गौरव प्राप्त है। स्व. नानाजी देशमुख ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सपने को मूर्त रूप देने के संकल्प को, चित्रकूट से ही साकार करने का प्रण किया। इस उद्देश्य से ही ग्रामीण विश्वविद्यालय की स्थापना 1991 में चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्व. नानाजी देशमुख की शिक्षाओं के अनुरूप समाज और देश के संवर्धन तथा सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है। दीनदयाल शोध संस्थान, ग्रामीण विकास के साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, स्वावलंबन और प्राकृतिक

हर किसान के खेत तक पहुंचेगा सिंचाई के लिए पानी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के सूखे खेतों में जब सिंचाई का पानी पहुंचता है तो मिट्टी सोना उगलती है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की समृद्धि के लिए उनके खेतों में सिंचाई की भरपूर व्यवस्था की जाएगी, जिससे वे वर्ष भर फसलें ले सकें। सिंचाई का रकबा बढ़ाने और हर खेत किसान के खेत तक पानी पहुंचाने के लिये मध्यप्रदेश के बजट 2026-27 में जल प्रदाय योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से सिंचित रकबे में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। शीघ्र ही प्रदेश में सिंचाई के रकबे को 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

संसाधनों के संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। राज्य सरकार विरासत के साथ विकास को ध्यान में रखते हुए गांवों को मजबूत कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही है।

चित्रकूट में स्थानीय सांसद गणेश सिंह, विश्वविद्यालय के कुलगुरु आलोक दुबे, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन तथा विषय विशेषज्ञ और शोधार्थी मौजूद थे।

इंजीनियरों ने इन-हाउस मरम्मत कर 100 दिन तक लगातार किया संचालित



संजय गांधी ताप विद्युत ने पेश की तकनीकी दक्षता की ऐतिहासिक मिसाल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की जिस यूनिट को वार्षिक रखरखाव के दौरान रोटर में क्रैंक टरबाइन के लो-प्रेसर रोटर यूक्स में गंभीर दरार होने और नए रोटर लगाने के लिए लगभग 48 माह लगते, उसी यूनिट को पावर जनरेटिंग कंपनी के इंजीनियरों ने इन-हाउस मरम्मत करके 100 दिन तक लगातार संचालित कर दिया। यहां जिस यूनिट का जिम्का किया जा रहा है वह संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता यूनिट नंबर 5 है। इस यूनिट ने गत दिवस लगातार 100 दिन संचालित होने का रिकार्ड बनाया। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 को गत वर्ष 10 जुलाई को

कंपनी मनवा रही अपना लोहा मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कंपनी के अभियंता न सिर्फ विद्युत गृहों के सुचारु संचालन से राष्ट्रीय पटल पर कंपनी का नाम रोशन कर रहे हैं, बल्कि अपने तकनीकी कोशल और काबिलियत से विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचार, जोखिम प्रबंधन और संसाधन अनुकूलन का टीम ने उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं व कर्मिकों की प्रतिबद्धता, दक्षता और टीम भावना का प्रमाण है।

केपिटल ओवरहालिंग के लिए बंद किया गया था। **देश में पहली बार यथा स्थान पर सुधारा रोटर:** देश में पहली बार किसी एलपी टरबाइन रोटर की यथा स्थान पर इस तरह की मरम्मत की गई। इस जटिल व मुश्किल मरम्मत का सफल होना और उसके बाद 100 दिनों से यूनिट का एक सा संचालन इस कामयाबी को खास और शानदार बनाता है।

राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने महाकाल के किए दर्शन, कहा-

सुख हो या दुख, वे सदैव हमारी रक्षा करते हैं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

धार्मिक नगरी उज्जैन से हमारा सदियों पुराना नाता रहा है। सूर्य मंदिर के पास हमारा आवास था और हम प्रतिदिन बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आया करते थे। इस मंदिर से हमारी गहरी आस्था और जुड़ाव है। आज भी हम समय-समय पर यहां आते रहते हैं। बाबा महाकाल का आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहता है। सुख हो या दुख, वे सदैव हमारी रक्षा करते हैं। यह बात वसुंधरा राजे ने ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग बाबा महाकाल में गहरी श्रद्धा रखते हैं और बड़ी संख्या में यहां दर्शन के लिए आते हैं। पुजारी परिवार से भी हमारा पारिवारिक संबंध रहा है। सरकार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जनता को भावनाओं को ध्यान में रखकर मंदिर के



सौंदर्यीकरण और विकास की परिकल्पना की थी। उसी का परिणाम है कि आज मंदिर भव्य और दिव्य स्वरूप में नजर आता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अब किसी प्रकार की अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ता। मीडिया से चर्चा से पूर्व वसुंधरा राजे ने बाबा महाकाल के दर्शन किए।



इसके बाद भगवान श्री वीरभद्र जी तथा श्री महाकालेश्वर ध्वज चल समाहट में निकलने वाले ध्वज का विधिवत पूजन किया। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जुनवाल एवं सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने उनका स्वागत एवं सत्कार किया।

बीहर रिवर फ्रंट शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करें: शुवल



भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुवल ने मंत्रालय में रीवा शहर में पुनर्वनत्वीकरण योजना की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं, अधीनस्थान उन्मयन तथा सौंदर्यीकरण कार्यों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। शुवल ने विशेष रूप से बीहर नदी के रिवर फ्रंट विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि नदी के पूर्वी तट का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि पश्चिमी तट का कार्य शेष है। उन्होंने पश्चिमी तट पर शेष रिवर फ्रंट कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बीहर नदी के दोनों तटों का समग्र विकास होने से रीवा शहर को विशिष्ट पहचान मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही पुनर्वनत्वीकरण योजना अंतर्गत अन्य प्रस्तावित कार्यों को भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने, आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृतियों को शीघ्र पूर्ण करने तथा समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया गया। उन्होंने केंद्रीय जेल रीवा में पुनर्वनत्वीकरण योजना के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।



ब्रीफ न्यूज़

बरनाया से निकली आस्था की भव्य पदयात्रा, नगर में पुष्पवर्षा से स्वागत

समथर (झांसी)। क्षेत्र के ग्राम बरनाया में आदिशक्ति मां भवानी बेटी रतनगढ़ वाली माता एवं कुंवर बाबा महाराज के मंदिर हेतु ग्रामवासियों द्वारा श्रद्धापूर्वक ग्यारह जवारों के खप्पर बोए गए। निर्धारित तिथि पर इन्हें विधि-विधान से निकालते हुए ग्रामवासियों ने भव्य पदयात्रा निकाली, जो आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम बन गई। पदयात्रा के समथर नगर पहुंचने पर नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर, फल, मिष्ठान एवं शीतल पेय वितरित कर स्वागत किया। मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भक्ति-रस से सराबोर हो गया। महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर अपने-अपने सिरों पर जवारों के खप्पर रखे मंगल गीत गाती हुईं चल रही थीं। छोटे-छोटे बच्चे एवं श्रद्धालु धर्म ध्वजाएं थामे डीजे पर बज रहे भजनों की धुन पर नाचते-झूमते आगे बढ़ रहे थे। पूरे मार्ग में ‘जय माता दी’ के उद्घोष से वातावरण गूंजता रहा। पदयात्रा में भाजपा जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष भरत राजपूत, ग्राम प्रधान बरनाया यशवंत सिंह राजपूत, देवीदयाल यादव, संतोष सोनी, रामकुमार प्रजापति, प्रवेश पुजारी, करन राजपूत, शिवनारायण अहिरवार, पर्वत राजपूत, बलवान राजपूत, छोदू, श्रीवास, आकाश राजपूत, रामकुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र में सामाजिक समरसता और आस्था की भावना को और सुदृढ़ किया।

टी ई टी अनिवार्य प्रकरण में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

गुरसरांय झांसी। टी ई टी अनिवार्य प्रकरण में फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले बुधवार को शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया । प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अविनाश गोस्वामी ने बताया कि शिक्षक 26 फरवरी को जिला मुख्यालय पर समय 1:00क़रू से 4:क़रू तक धरना प्रदर्शन करेंगे। शिक्षक इन्द्र?पाल सिंह घोष, राजेश त्रिपाठी, धर्मश साहू, जयसिंहापति, अनिल मिश्रा, गोबिन्द सिंह निरंजन, अश्वनेन्द्र तिवारी, धर्मन्द्र, वीरन्द्र, धनेन्द्र वर्मा पूजा सक्सेना, निशा समाधिया, शिवांगी जैन, नीरजगुप्ता राजेशसेन, राजेश अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक से सम्बन्धित अभियान

गुरसरांय। शासन के निर्देश के क्रम में एवं अपर नगर मजिस्ट्रेट/अधिशासी अधिकारी अजय कुमार यादव के आदेश के क्रम में नगर पालिका परिषद गुरसरांय द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक से सम्बन्धित अभियान चलाया गया है जिसमें लगभग 17 दुकानदारों से पॉलीथीन जब््त करते हुये लगभग 2800 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है तथा दुकानदारों को बताया गया है कि सिंगल-यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगायी गयी है। अभियान में सोनू यादव लेखा लिपिक, माहेश्वरी शरण बुधैलिया, योगेन्द्र कुमार मिश्रा, उमेश कुमार, राकेश कुमार सोनी प्रकाश नारायण दीक्षित, दीपक कुमार, जयनारायण कुशवाहा, राजेश सैनी, सूर्या प्रकाश शर्मा, हरिओम, प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।

सात कन्याओं के निःशुल्क विवाह महायज्ञ में शामिल होने का दिया न्योता, प्रभारी मंत्री से लिया आशीर्वाद

28 फरवरी को बबीना में होगा भव्य आयोजन

सत्ता सुधार ■ बबीना (झांसी)

नेशनल पत्रकार एसोसिएशन द्वारा 28 फरवरी को बबीना में आयोजित होने वाले सात कन्याओं के निःशुल्क विवाह महायज्ञ के लिए जिले की प्रभारी मंत्री बेबी रानी मौर्य को आमंत्रण पत्र भेंट कर कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया गया। प्रभारी मंत्री ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाजहित में सराहनीय पहल बताया और सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समाजसेविका राशि साहू,



जिला महामंत्री हेमंत साहू ‘पोपो’, नगर अध्यक्ष शैलेश सोनू शिवहरे एवं महामंत्री शेख मुख्तार ‘भोवू’ कुरैशी सहित अन्य



वर्ष 2014 में एक प्रमुख राजनैतिक दल द्वारा तीन वर्षों के भीतर बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने का वादा किया गया था, जिस पर क्षेत्र की जनता ने अलग राज्य की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि

बाह्र वर्ष बीत जाने के बाद भी वादा पूरा नहीं हुआ, जिससे क्षेत्रवासियों में निराशा है।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड आज भी बेरोजगारी, गरीबी, सूखा, पलायन, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की

कमी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। मोर्चा का दावा है कि अलग राज्य बनने से स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और क्षेत्र का समुचित विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि

राज्य निर्माण के लिए उन्हें आगे आकर संघर्ष करना होगा। सभा में यह भी घोषणा की गई कि बुंदेलखंड राज्य का समर्थन नहीं करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ ‘राम को कोल’ अभियान पुनः प्रारंभ किया जाएगा, जिसके माध्यम से जनजागरण किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. प्रियाशरण गुप्ता, महेंद्र नागर, सुरेश शर्मा, अनुपम श्रीवास्तव, अरविंद श्रीवास, पवन बुलकिया, मोहित शर्मा, संजीव व्यास, मानवेंद्र सिंह गुर्जर, डॉ. सुरेश दुबे, संतराम दोहरे, वीरेंद्र वंशकार, कासिम खान मंसूरी, चंद्रभान खजांची, मुन्ना मेवाती, समीर नौखरा, कृष्णा शिल्पकार, शहीद खान, राजू अग्रवाल, बृजेश अग्रवाल, नीलू अग्रवाल, माधव सिंह गुर्जर, दिनेश कुशवाहा, अखिलेश पांचवाल, विनीत अग्रवाल, सब्बीर खान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। जन आक्रोश यात्रा के माध्यम से मोर्चा आगामी दिनों में बुंदेलखंड के विभिन्न नगरों व ग्रामीण क्षेत्रों में जनसपर्क कर समर्थन जुटाने की रणनीति पर कार्य करेगा।

बोर्ड पर्यवेक्षक ने परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष



सत्ता सुधार ■ टहरीौली

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा संचालित हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं के

तहत आदर्श जनप्रिय इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर बोर्ड पर्यवेक्षक अनिल कुमार मिश्रा ने औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के

दौरान स्ट्रांग रूम, सीसीटीवी कैमरे, प्रश्नपत्र व उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा तथा पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया गया और व्यवस्थाओं

पर संतोष व्यक्त किया गया। केंद्र व्यवस्थापक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि प्रातःकालीन पाली में हाईस्कूल विज्ञान विषय की परीक्षा में कुल पंजीकृत 342 परीक्षार्थियों में से 312 उपस्थित रहे, जबकि 30 अनुपस्थित रहे। सायंकालीन पाली में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान विषय में 141 में से 120 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 21 अनुपस्थित रहे। वहीं समाजशास्त्र विषय में 41 में से 38 परीक्षार्थी शामिल हुए तथा तीन ने परीक्षा छोड़ दी। निरीक्षण के दौरान बाह्य केंद्र व्यवस्थापक बृजेश निरंजन, स्टेटिक मजिस्ट्रेट जनवेंद्र सिंह मौजूद रहे। आंतरिक सचल दल में रोहित कुमार विश्वास व आदित्य चतुर्वेदी सक्रिय रहे। परीक्षा प्रभारी बलबीर सिंह, योगेश सेन, गायत्री उपाध्याय, रविन्द्र दीक्षित, प्रदीप पटैरिया और पवन शर्मा सहित अन्य कर्मचारियों ने परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग किया।

जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिले के पर्यवेक्षक ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण पाई उत्तम व्यवस्था

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय झांसी

जिला विद्यालय निरीक्षक रति वर्मा ने बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने समुचित सुरक्षा व्यवस्था देखी,स्ट्रांग रूम एवं कोठार को भी देखकर संतोष व्यक्त किया। द्वितीय पाली में माध्यमिक शिक्षा परिषद के झांसी जिले के पर्यवेक्षक एवं उप शिक्षा निदेशक अनिल कुमार मिश्रा ने निरीक्षण किया। खैर इंटर कॉलेज गुरसरांय के केंद्र व्यवस्थापक धनप्रकाश तिवारी के साथ बाह्य केंद्र व्यवस्थापक नंदकिशोर शर्मा की देखरेख में प्रातः हाई स्कूल विज्ञान में 733 ने परीक्षा दी 33 अनुपस्थित रहे। इंटर रसायन विज्ञान में 455 ने परीक्षा दी 4 अनुपस्थित रहे। परीक्षा में मिलन गुप्ता, परीक्षा प्रभारी जितेंद्र सिंह पटेल,सहायक विनोद कुमार,आंतरिक सचल दल में डॉ विवेक मुदगल, राजेश चंद्र,ऋतु सिंह,प्रदीप स्वर्णकार ,जशोदा देवी, अंजली राठौर रहे। संकलन प्रभारी कुलदीप कोदबलकर,कोशलेश मिश्रा,जे पी वर्मा ,दुर्गा प्रसाद,प्रवीण सिसोही,कुलदीप वर्मा कन्हैया, रवि सेन आदि ने कार्य किया। परीक्षा सहयोग में जितेंद्र सेन,शिवम गिरी,अखिलेश पाराशर, सागर पटेल,अनिल नायक,देवेन्द्र पटेल, अंकित कुमार,संजय,योगेश अग्रवाल,समता ,मुन्ना,कमलू का सहयोग रहा।



बोर्ड परीक्षाएं शांतिपूर्ण सम्पन्न हुईं

राजकीय इंटर कॉलेज खडौरा में केंद्र व्यवस्थापक प्रधानाचार्य किशन वर्मा एवं बाह्य केंद्र व्यवस्थापक सुधीर कुमार पाठक, परीक्षा सहायक हेमकुमार की देखरेख में परीक्षा सम्पन्न हुई। श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज के परीक्षा केंद्र पर केंद्र व्यवस्थापक सत्यप्रकाश द्विवेदी एवं बाह्य केंद्र व्यवस्थापक शिवधनी की देखरेख में हाईस्कूल विज्ञान में 346 ने परीक्षा दी।19 ने परीक्षा छोड़ी। इंटर रसायन विज्ञान में 55 ने परीक्षा दी 01 ने परीक्षा छोड़ी।समाज शास्त्र में 8 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा में सुरेश कुचवार, चंद्रभान नायक ने कार्य किया। लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज इसकिल में केंद्र व्यवस्थापक लल्लन कुमार एवं बाह्य केंद्र व्यवस्थापक बशीर अहमद खान की देखरेख में परीक्षा दी।

मोंठ-भांडेर मार्ग पर सीसी सड़क निर्माण की धीमी रफ्तार, धूल के गुबार से जनजीवन प्रभावित

मोंठ (झांसी)। मोंठ-भांडेर मार्ग पर चल रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार से क्षेत्रीय लोग खासे परेशान हैं। अधूरे निर्माण और उखड़ी पड़ी सड़क के कारण दिनभर धूल के गुबार उड़ रहे हैं, जिससे राहगीरों, दुकानदारों और किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई महीनों से सड़क निर्माण कार्य जारी है, लेकिन कार्य की गति बेहद धीमी है। सड़क के किनारे पड़ी निर्माण सामग्री और अधूरा समतलीकरण धूल उड़ने का मुख्य कारण बन रहा है। वाहन गुजरते ही धूल का बादल उठता है, जिससे आसपास के घरों और दुकानों

में गंदगी फैल रही है।

सबसे अधिक परेशानी किसानों को हो रही है। मार्ग से सटे खेतों में खड़ी फसल पर लगातार धूल जम रही है, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। किसानों ने बताया कि धूल के कारण फसलों की पतियां ढक जाती हैं, जिससे उनकी वृद्धि प्रभावित होती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए, ताकि धूल पर नियंत्रण हो सके। लोगों का कहना है कि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

28 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर दी जान मायके बालों ने हत्या का आरोप

ककरवाई झांसी। ककरवाई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धमनौड़ में पति पत्नी के बीच हुए आपसी विवाद के बाद पत्नी ने खुब्य होकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली । ग्राम धमनौड़ निवासी कल्पना रैकवार उम्र 28 वर्ष पत्नी पुष्पेंद्र ने आज बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे अपने घर के अंदर पंखे से फांसी लगाकर जान दे दी । घटना की सूचना ग्राम प्रधान सरजू पाठक द्वारा थाना ककरवाई पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष योगेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मऊरानीपुर भेज दिया। मृतिका का पति पुष्पेंद्र दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। पुष्पेंद्र की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व हुई थी। कल्पना का मायका ग्राम रावली बड़ा तरीचर मध्यप्रदेश में है। कल्पना के अभी कोई संतान नहीं थी । वहीं मृतिका के मायके वालों ने ससुराली जनों पर हत्या का आरोप लगाया है।पुलिस जांच में जुटी हुई है।

धूम्रपान से मना करना पड़ा महंगा, दुकान में लगी आग

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय झांसी

एरच रोड स्थित एक कार डेंटिंग-पेंटिंग की दुकान पर धूम्रपान करने से मना करना दुकानदार को भारी पड़ गया। सदिग्ध परिस्थितियों में रात के समय दुकान में आग लगने से करीब 90 हजार रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत बुधवार को पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना गुरसराय क्षेत्र के शहीद गंज निवासी जाकिर हुसैन की एरच रोड पर कार डेंटिंग-पेंटिंग की दुकान है। बताया गया कि वह दुकान पर कार्य कर रहे थे, तभी एक युवक वहां पहुंचा और दुकान के पास धूम्रपान करने लगा। जाकिर हुसैन ने ज्वलनशील सामग्री होने का हवाला देते हुए युवक को धूम्रपान करने से मना किया, जिस पर युवक नाराज हो गया और कथित रूप से धमकी देते हुए वहां से चला गया।

पीड़ित के अनुसार अगली सुबह उन्हें



सूचना मिली कि उनकी दुकान में आग लग गई है। जब तक आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, तब तक दुकान में रखा पेंट, उपकरण तथा अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जल चुका था। आगजनी की इस घटना में लगभग 90

हजार रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। जाकिर हुसैन ने आशंका जताई है कि पूर्व में धमकी देने वाले युवक का ही घटना से संबंध हो सकता है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आलमपुरा में किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुरसरांय झांसी। थाना क्षेत्र के ग्राम आलमपुरा में एक किसान द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान बृज किशोर अहिरवार (40 वर्ष), पुत्र रामलाल अहिरवार ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में पंखे के हुक से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उन्हें गुरसरांय स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इय्टी पर तैनात चिकित्सक डॉक्टर रवि अनुरागी ने जांच के बाद उन्हें

मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर गुरसरांय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते

क्षेत्र में शोक की लहर

हुए शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है और परिजनों का रो-शोक बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से परिवार को सहायता प्रदान करने की मांग भी की है।

खिरिया घाट पुल का निरीक्षण, धीमे निर्माण पर विधायक की नाराजगी

सत्ता सुधार ■ मोंठ (झांसी)

खिरिया घाट पर निर्माणाधीन पुल का क्षेत्रीय विधायक जवाहर लाल राजपूत ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुल निर्माण में अनावश्यक देरी से क्षेत्रीय जनता को आवागमन में भारी असुविधा हो रही है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो



सकती है, इसलिए समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की भी हिदायत दी और कहा कि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कार्य की गति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की संसूति की जाएगी। स्थानीय लोगों ने विधायक को बताया कि पुल निर्माण में देरी से ग्रामीणों, छात्रों और किसानों को काफी परेशानी उठनी पड़ रही है। विधायक ने आश्वासन दिया कि निर्धारित समयसीमा में पुल का निर्माण पूर्ण कराया जाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

ब्रीफ न्यूज

कोर्ट के फैसले के बाद भड़के ट्रंप बोले- जो देश यूएस को लूट रहे थे वो अबवो दे रहे हैं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हालिया स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) और न्यायपालिका के हस्तक्षेप को लेकर अत्यंत कड़ा रुख अपनाया है। राष्ट्रपति ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की तीखी आलोचना की है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लागू की गई आयात शुल्क व्यवस्था को अवैध घोषित कर दिया गया था। अदालत ने 6-3 के बहुमत से दिए गए अपने निर्णय में स्पष्ट किया था कि राष्ट्रपति ने इस मामले में अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है और इस तरह के शुल्कों के लिए अमेरिकी संसद कांग्रेस की मंजूरी अनिवार्य होनी चाहिए थी। अदालत के इस दुर्भाग्यपूर्ण हस्तक्षेप पर असंतोष व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि जो देश दशकों से अमेरिका का आर्थिक शोषण कर रहे थे, वे अब अरबों डॉलर का भुगतान कर रहे हैं।

ट्रंप का दावा बोले- मैं दखल नहीं देता तो मारे जाते
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच उपजे तनाव को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला दावा किया है। बुधवार को दिए अपने ताजा बयान में ट्रंप ने कहा कि यदि उन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी जान गंवा देते। अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन के दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रुकवाने में अपनी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। ट्रंप ने विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई को रुकवाने के लिए दखल दिया, जिससे न केवल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की रक्षा हुई, बल्कि एक बड़ी मानवीय त्रासदी भी टल गई। ट्रंप के मुताबिक, अगर वह हस्तक्षेप नहीं करते तो इस संघर्ष में कम से कम 35 मिलियन (साढ़े तीन करोड़) पाकिस्तानियों की मौत हो सकती थी।

ट्रंप का उत्तराधिकारी बनने जेडी वेंस और रूबियो में छिड़ी अंदरूनी जंग

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों मुश्किलों में घिरे हुए हैं। अमेरकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की टैरिफ नीति को 'अवैध' करार देकर उन्हें बड़ा झटका दिया है। इस बीच वॉशिंगटन में मिड-टर्म चुनाव की टेंशन भी है। इस गहमागहमी के बीच ट्रंप ने अपनी गद्दी सौंपने के संकेत दिए हैं। ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप का उत्तराधिकारी बनने के लिए दो दिग्गज फाइट कर रहे हैं। ट्रंप की जगह लेने के लिए इंटरनल फाइट मार्को रूबियो और जेडी वेंस के बीच में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के सलाहकारों का कहना है कि राष्ट्रपति की नजर में वेंस-रूबियो की जोड़ी एक 'ड्रीम टिकट' है। ट्रंप फिलहाल जेडी वेंस को थोड़ा अंग मान रहे हैं क्योंकि वह उनके रनिंग मैट रहे हैं, लेकिन ट्रंप ये भी मान रहे हैं कि मार्को रूबियो की लोकप्रियता भी रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रही है। वहीं जेडी वेंस का नाम सबसे ऊपर आ रहा है।

रिसर्च

दिल की धकड़न रुक जाने के बाद भी इंसान का दिमाग जिंदा रहता

एजेंसी ■ न्यूयार्क

सोचिए.....जब आपका दिल धड़कना बंद कर देता है। डॉक्टर सीपीआर रोक देते हैं। इसके बाद इंसार को 'डेथ' घोषित कर दिया जाता है, लेकिन आपका दिमाग अब भी जिंदा है, और आपको सब कुछ सुनाई दे रहा है।

मौत आज भी दुनिया के लिए एक रहस्य बनी हुई है। इंसान के साथ मौत के बाद क्या होता है और आखिरी क्षणों में उसका अनुभव कैसा होता है। इस पर बहुत कुछ कहा जा चुका है। इन विषयों पर कई रिसर्च भी हो चुके हैं, लेकिन हाल ही में आई एक नई रिसर्च ने

एजेंसी ■ कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में मंगलवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के आधिकारिक आवास 'द लॉज' को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सुरक्षा एजेंसियों ने इस सूचना को बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल हाई अलर्ट जारी करते हुए प्रधानमंत्री अल्बनीज को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। करीब तीन घंटे तक चले सघन तलाशी अभियान और तनावपूर्ण माहौल के बाद जब परिसर को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया गया, तब जाकर प्रधानमंत्री अपने आवास पर वापस लौट सके।



रुस-यूक्रेन युद्ध वाले प्रस्ताव पर भारत अमेरिका-चीन ने वोटिंग से बनाई दूरी

यूक्रेन को उलटा पड़ा दांव, जेलेंस्की ने प्रस्ताव में बिना शर्त युद्धविराम की मांग की थी

एजेंसी ■ कीव

ह्वाइसंयुक्त राष्ट्र में रूस से युद्ध पर यूक्रेन ने एक अहम प्रस्ताव पेश किया। मंगलवार को इस प्रस्ताव पर वोटिंग हुई लेकिन दुनिया दो हिस्सों में बंट गई। यूक्रेन का मकसद युद्धविराम पर सपोर्ट लेना था, लेकिन भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस-यूक्रेन युद्ध वाले प्रस्ताव पर हुए वोटिंग में शामिल नहीं हुआ। भारत वाली कतार में अमेरिका और चीन भी खड़ा था यानी इन देशों ने भी इस वोटिंग से खुद को दूर रखा। दरअसल यूक्रेन के इस प्रस्ताव में पूरी तरह और बिना शर्त युद्धविराम की मांग की गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रस्ताव को यूपन में 24 फरवरी को रूस-यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने पर पेश किया गया था। रूस-यूक्रेन युद्ध पर शांति वाले प्रस्ताव को 193 सदस्यों वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में से 107 देशों का साथ मिला। इस प्रस्ताव के पक्ष में 107 देशों ने वोट किया। 12 देश इसके खिलाफ रहे, जबकि 51 देशों ने



वोट नहीं दिया जिन देशों ने वोटिंग से खुद को दूर रखा, उसमें भारत, अमेरिका और चीन शामिल थे।

दरअसल, रूस और यूक्रेन जंग को चार साल हो गए। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन ने एक बड़ा दांव खेला। जंग खत्म कराने को लेकर उसने एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें यूक्रेन ने रूस से तुरंत, पूरी तरह और बिना शर्त सीजफायर की मांग की थी। इसमें यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया गया था लेकिन जब वोटिंग हुई तो यूक्रेन के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने

सोचा भी नहीं था कि उसका सबसे अहम साथी साथ छोड़ देगा, जिसके दम पर वह जंग लड़ रहा है। यूपन में यूक्रेन को अमेरिका से केवल धोखा ही मिला। इस तरह यूक्रेन को बड़ा झटका लगा और रूस के लिए यह किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। अमेरिका का साथ यूक्रेन को नहीं मिलने से रूस पर इंटरनेशनल प्रेशर थोड़ा कम हो जाएगा। अब सवाल है कि आखिर भारत, चीन और अमेरिका के एक साथ आने का क्या मतलब? भारत का स्टैंड शुरू से क्लियर है। बातचीत से युद्ध का खाम्ता। भारत शुरू से तटस्थ और

जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6 बजे सुरक्षा अधिकारियों को प्रधानमंत्री के सरकारी आवास में किसी विस्फोटक उपकरण या संभावित सुरक्षा खतरे की सूचना मिली थी। संसद भवन के पास स्थित इस अति-सुरक्षित क्षेत्र में तुरंत स्थानीय पुलिस और विशेष बम निरोधक दस्तों ने मोर्चा संभाल लिया। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रधानमंत्री को बिना देरी किए वहां से बाहर निकाला गया और पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई। पुलिस और सुरक्षाबलों ने अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक़त और जांच के बाद रात 9 बजे के आसपास यह स्पष्ट हुआ कि वहां कोई संदिग्ध वस्तु मौजूद नहीं है। ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस के प्रवक्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक आवास में सुरक्षा खतरे की सूचना मिलने के बाद मानक

प्रक्रियाओं के तहत व्यापक तलाशी ली गई थी। हालांकि शुरुआत में सुरक्षा कारणों से विवरण गोपनीय रखा गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि मामला बम की धमकी से जुड़ा था। पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि परिसर पूरी तरह सुरक्षित है और आम जनता को इस घटना से कोई खतरा नहीं है। यह घटना इसलिए भी हैरान करने वाली है क्योंकि धमकी मिलने के कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री अल्बनीज ने इसी आवास में एक टेलीविजन इंटरव्यू रिकॉर्ड किया था। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में राजनेताओं और शीर्ष अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को फिर से उजागर करती है। पिछले कुछ महीनों में प्रधानमंत्री और कई संघीय सांसदों को मिलने वाली धमकियों में काफी बढ़ोतरी देखी गई है। इसी बढ़ते खतरे को देखते हुए पिछले साल ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने

‘विशेष राष्ट्रीय सुरक्षा जांच दल’ का गठन किया था। पुलिस कमिश्नर क्रिसी बैरेंट ने हाल ही में संसदीय सीनेट समिति को अवगत कराया था कि हिंसक प्रवृत्ति वाले लोग अब न केवल ऑनलाइन धमकियां दे रहे हैं, बल्कि वास्तविक दुनिया में भी हमला करने की मंशा रख रहे हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले साल के अंत से अब तक धमकियां देने और सुरक्षा व्यवस्था भंग करने की कोशिश के आरोप में 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना ​​है कि इंटरनेट पर फैलने वाला व्यक्तिगत आक्रोश अब वास्तविक सुरक्षा चुनौतियों में बदल रहा है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां प्रधानमंत्री आवास पर आए इस धमकी भरे संदेश के स्रोत की जांच कर रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इसके पीछे किस व्यक्ति या संगठन का हाथ है।

ईरान अमेरिका के साथ न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता: अराघची

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने यह बात एक्सप्रेस पोर्टल में कही।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अराघची का यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं। अराघची ने कहा कि पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक़े इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।

उन्होंने कहा कि हमारे बुनियादी यकीन बिम्बकूल साफ हैं। ईरान किसी भी हालत में कभी भी न्यूक्लियर हथियार नहीं बनाएगा, न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी के



फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे। अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर डिलेमेसी को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रखांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा करने को तैयार है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हम समझौता करने के लिए पूरी ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ जिनेवा में बातचीत करने जाएंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका भी इसी तरह सकारात्मक रुख अपनाएगा।

विदेशी देशों से लगाए टैरिफ से भविष्य में आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम होगा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बता दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कांग्रेस में अपने दूसरे कार्यकाल का दूसरा 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण दिया। इस भाषण में ट्रंप अपना पुराना झुनझुना निकालते हुए नजर आए। ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि करीब सभी देश अमेरिका के साथ समझौता बनाए रखना चाहते हैं और उनका दावा है कि विदेशी देशों से वसूल जा रहे टैरिफ भविष्य में आयकर की जगह ले सकते हैं, जिससे आम लोगों के बजट घाटे को बोझ कम होगा।उन्होंने यह भी कहा कि नए बिल के तहत टिप, ओवरटाइम और सोशल सिक्वोरिटी पर टैक्स नहीं लगेगा। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक यह छूट



सभी को नहीं मिलेगी। कम आय वाले बुजुर्ग, 65 साल से पहले लाभ लेने वाले और तय आय सीमा से ऊपर के लोग इसका फायदा नहीं उठा पाएंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टैरिफ से होने वाली कमाई अमेरिका के बजट घाटे को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अनुमान के मुताबिक टैरिफ से 10 साल में करीब 3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जा सकते थे, जो 4.7 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स कटौती

खर्च को कवर करने के लिए काफी नहीं है। पिछले साल अमेरिका का बजट घाटा 1.78 ट्रिलियन डॉलर था। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ का पैसा विदेशी देश देते हैं, लेकिन अध्ययनों के मुताबिक इसका ज्यादातर बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं और कंपनियों पर पड़ता है। एक स्टडी के

मुताबिक टैरिफ का 86-94फीसदी असर अमेरिकी लोगों ने झेला। वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए टैरिफ से पिछले साल करीब 175 अरब डॉलर की वसूली हुई थी। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के बंद पैमाने पर लगाए गए रलेोबल टैरिफ को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईसीपीए) के तहत राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है।

जिस रास्ते से भारत का तेल आता है वहीं पुतिन ने बढ़ा दी सुरक्षा व्यवस्था

एजेंसी ■ मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध को चार साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन शांति की कोई भी गुंजाइश फिलहाल नजर नहीं आ रही है। इस लंबी अवधि में दोनों देशों को जान-माल का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसी बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक ऐसा बयान दिया है जिसने अंतरराष्ट्रीय बाजारों और तेल आयात करने वाले देशों के बीच हलचल मचा दी है। पुतिन ने अचानक उस समुद्री रास्ते की सुरक्षा बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए हैं, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, विशेषकर भारत के लिए तेल निर्यात



सभी को चौंका दिया है। इस नई रिसर्च में दावा किया गया है कि इंसान की मौत के बाद भी उसका

दिमाग कुछ समय तक सक्रिय रहता है और वह अपने आसपास की आवाजें सुन सकता है। न्यूयॉर्क में

एक डॉक्टर ने ऐसा खुलासा किया है जिसने मौत की परिभाषा को बदल दिया है। दिल की धड़कन रुक जाने के बाद भी इंसानी दिमाग सक्रिय रहता है, और कई बार मरीज डॉक्टरों द्वारा अपनी मौत की घोषणा तक सुन लेते हैं। यह दावा एक भयावह लेकिन महत्वपूर्ण स्टडी में किया गया है। इस स्टडी का नेतृत्व न्यूयॉर्क के डॉक्टर ने किया। उन्होंने उन मरीजों से बात की जिन्हें डॉक्टरी भाषा में मृत घोषित कर दिया गया था। यानी जिनका दिल धड़कना बंद हो चुका था, लेकिन बाद में वे दोबारा जिंदा हो गए। चौंकाने वाली बात थी कि

कई मरीजों ने अपने कमरे में हो रही घटनाओं को सटीक रूप से याद किया। शोधकर्ता डॉक्टर के अनुसार, इन मरीजों की याददाश्त इतनी स्पष्ट इसलिए थी क्योंकि दिल रुकने के बाद भी लगभग एक घंटे तक दिमाग में सामान्य और करीब सामान्य ब्रेन गतिविधि मिली। उन्होंने बताया कि ये अनुभव न सपने जैसे होते हैं।

इस शोध में अमेरिका और ब्रिटेन के 25 अस्पतालों में कार्डियक अरेस्ट से बचे 53 मरीजों की दिमागी गतिविधि और जागरूकता का अध्ययन किया। जिसमें पाया गया कि 40 फीसदी

मरीजों ने यादें या सचेत विचार होने की बात कही। शोधकर्ता के अनुसार, मौत के दौरान कई लोगों को लगता है कि वे अपने शरीर से अलग हो चुके हैं और कमरे में घूमकर चीजें देख-पहचान रहे हैं। इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम (ईईजी) से पता चला कि मरीजों में दिल रुकने के 35 से 60 मिनट बाद तक कई ब्रेन वेव्स मौजूद थीं, जो सोचने और जागरूकता से जुड़ी होती हैं। यह बताता है कि दिमाग दिल रुकने के बाद भी पूरी तरह बंद नहीं होता, बल्कि कभी-कभी उच्च स्तरीय गतिविधि दिखाता है, मानो कोई बंद कंप्यूटर अचानक रीबूट हो रहा हो।



पादरी लोरन भड़के क्या सुधरेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के शालोट स्थित सेंट्रल चर्च के वरिष्ठ पादरी लोरन लिविंगस्टन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भाषा और उनके सार्वजनिक आचरण को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। हालिया धर्मोपदेश में उन्होंने कहा, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति को संयमित, शालीन और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उनका कहना था, नेतृत्व केवल नीतियों और निर्णयों से नहीं होता है। बल्कि स्वयं के चरित्र, व्यवहार और वाणी से व्यक्ति की पहचान होती है। हर सफल व्यक्ति के पीछे उसका चरित्र, व्यवहार और उसकी कही हुई बातें ही महत्व रखती हैं। अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर राजनीति के साथ-साथ धार्मिक क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर विरोध होने लगा है। पादरी लिविंगस्टन ने कहा, कि सार्वजनिक जीवन में अपमानजनक और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग पूरे समाज को गलत संदेश देता है। उन्होंने पवित्र बाइबिल का हवाला देते हुए कहा, हृदय की प्रचुरता एवं संवेदनशीलता से ही मुख से बातें निकलती हैं। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप को सीख देते हुए समझाया, व्यक्ति की भाषा ही उसके भीतर के विचारों और चारित्रिक मूल्यों को दर्शाती है। यदि नेता की वाणी कटु और अपमानजनक है, तो यह उसके आंतरिक दृष्टिकोण को प्रकट करती है। उन्होंने स्पष्ट किया, राजनीतिक विचारधारा और ईसाई आस्था को एक-दूसरे के समान नहीं माना जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को ‘रूढ़िवादी’, ‘जीवन समर्थक’ या ‘बाइबिल आधारित परिवार का समर्थक’ बताना उन्हें सच्चा ईसाई नहीं बनाता है। उन्होंने नस्लीय आधार पर धर्म को विभाजित करने की प्रवृत्ति पर भी भारी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मसीही समुदाय में श्वेत और अश्वेत जैसी अलग पहचान नहीं है। बिना किसी भेदभाव के जो व्यक्ति ईसा मसीह पर विश्वास करता है, यह विश्वास ही उन्हें सच्चा मसीही बनाता है। सभी में मसीह हैं और मसीह एक ही है। उनके इस बयान के बाद अमेरिका में राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर बहस तेज हो गई है। पादरी के इस बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका में हो रही है। पादरी के इस बयान के बाद अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक



एक नाराजगी देखने को मिल रही है। अमेरिका के नागरिक और धर्म समर्थकों के बीच इसकी बड़ी तीव्र प्रक्रिया हुई है। अमेरिका के नागरिक पादरी के बयान को नैतिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण नसीहत मान रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह से विभिन्न राज्यों के नागरिकों के साथ अलग व्यवहार कर रहे हैं, अमेरिकी समाज को उन्होंने कई हिस्सों में बांट दिया है। मानों सब एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए हैं। यह अमेरिका की संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था के कहीं से भी अनुकूल नहीं है।

म.प्र. में खेल को बढ़ावा देती मोहन यादव सरकार

देश का दिल मध्यप्रदेश कला, संस्कृति, पर्यटन के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। सुने पड़े स्टेडियम जहां कोई जाना पसंद नहीं करता था अब सभी संसाधनों के साथ खेल गतिविधियों का केन्द्र बने हुए हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खेलों से बेहद लगाव रखते हैं। अपने निश्चित कार्यक्रमों में वे खेल को अत्याधिक महत्व देते हैं।

मो

स तरह खेलों को प्रोत्साहन जितना मध्यप्रदेश में मिलता है उतना दूसरे अन्य राज्य में नहीं दिया जाता होगा। मध्यप्रदेश में अनेक खेल प्रतिभायें हैं। इस प्रदेश की खेल प्रतिभाओं ने देश और विदेश में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रेश का नाम रोशन किया, अपना तथा प्रदेश का गौरव बढ़ाया। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार भी इसमें पीछे नहीं हैं, उसने खिलाड़ियों को उभारने तथा खेलों के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिये खेलो एम.पी. यूथ गेम्स जैसे आयोजन किये हैं। प्रसंगवश बता दें कि देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश खेल क्षेत्र पर अधिक व्यय कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव स्वयं खेल प्रेमी हैं, वे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों का आव्हान करते हैं कि आप तो खेल की चिंता करें, आपके भविष्य की चिंता मध्यप्रदेश सरकार करेगी। उनके शब्दों में ’’खेलों के उत्कृष्ट आयोजन से मध्यप्रदेश के युवाओं में खासा जोश है, जिस संकल्प और उत्साह के साथ हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हम दावे के साथ कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अपने बेहतर प्रदर्शन के लिये विश्व में पहचाने जायेंगे।’’ यहाँ बता दें कि खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर सरकार उन्हें आर्थिक मदद के साथ शासकीय नौकरी भी दे रही है। कई दिव्यांग युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत कर शासकीय सेवाओं में पद दिया गया है। प्रदेश के खेल बजट में हर वर्ष इजाफा कर खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिये कई शहरों और तहसीलों में स्टेडियम बनाने के लिये सरकार प्रयास कर रही है। एक दौर था जब क्रिकेट, हॉकी खेलों तक ही लोगों की दिलचस्पी सीमित थी लेकिन अब बाक्सिंग, शूटिंग, चुड़सवारी और बालिकाओं के आत्मरक्षाथं जूडो कराटे जैसे खेलों में सभी की रोजकता बढ़ रही है। इन खेलों में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेटल भी जीते हैं। याद दिलाना जरूरी है कि एक समय था जब बालिकाओं का खेल में भाग लेना असामान्य सा लगता था लेकिन लगातार मिले

प्रोत्साहन और सहयोग के कारण आज ऐसा कोई खेल नहीं है जिसमें बालिकायें हिस्सा न लेती हों। बल्कि कई बार तो वे लड़कों से बेहतर प्रदर्शन भी करती हैं। देश में मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ खेलों में युवाओं को प्रोत्साहन दिया जाता



है। इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ रहा है। नयी पीढ़ी के खिलाड़ियों की महत्त्वकांशा बढ़ाने के लिये विगत माह भोपाल में खेलों एम.पी.यूथ गेम्स का भव्य आयोजन हुआ था। कुल 28 खेलों में प्रदेश भर के एक लाख से अधिक खिलाड़ियों ने अपना प्रदर्शन दिखाया। इनमें बालिकाओं की संख्या भी अधिक थी। यह प्रतियोगिता ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तरों पर आयोजित थीं जिसमें शहरी, ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने एक साथ अपना जौहर दिखाया। समारोह में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर की प्रस्तुति प्रमुख थी। खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आतिशबाजी से लोग रोमांचित हो गये। मध्यप्रदेश में तलवारबाजी, कायाकिंग, कैनोइंग, कैनो स्लेलम, रोइंग खेलों के साथ मलखंभ के प्रति भी लोगों का उत्साह बढ़ा है। यहाँ बता दें कि मलखंभ मध्यप्रदेश का पारम्परिक तथा राज्य खेल है। बाँक्सिंग और शूटिंग जैसे खेलों को अब लोकप्रियता अधिक मिल रही है। इनमें बालिकायें बड़ी संख्या में भाग लेती हैं। मध्यप्रदेश में एक समय था जब लड़कियों का खेलना सामाजिक दृष्टि से गलत समझा जाता था। उस दौर में

महिला खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठा दिलायी थी और अन्य बालिकाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी योग्यता दिलाने के लिये प्रेरित किया। क्रिकेट, हॉकी, टेबिल टेनिस में मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों का नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो चुका है। संध्या अग्रवाल मध्यप्रदेश में रहकर अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा चुकी हैं। वे भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान थीं। राजेश्वरी खेलकिया भी क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी थीं। मधु यादव ने हॉकी तथा टेबिल टेनिस में सिन्ध्या मेहता और रीता जैन ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश के लिए ख्याति अर्जित की और प्रदेश की बेटीयों को खेल क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया था। आज जो बालिकायें मध्यप्रदेश के लिए खेल क्षेत्र में गोल्ड, रजत और कांस्य पदक अर्जित कर रही हैं इसके पीछे पूर्व की उन्हीं महिला खिलाड़ियों की प्रेरणा रही थी।

ध्यान रहे कि मध्यप्रदेश देश के मध्य स्थित है। यहाँ खेल गतिविधियों को लगातार क्रियान्वित रखा जाये तो पूरे देश का आकर्षण इस ओर बहेगा। इस प्रदेश में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आरम्भ होने से खिलाड़ियों का यहाँ आना जाना बना रहेगा, इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का यह दायित्व है कि वह अन्य क्षेत्रों के साथ - साथ खेल के लिए भी आवश्यक धन राशि जुटाये। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में अपना जौहर दिखाने का मौका मिलना चाहिये। प्रोत्साहन और सहयोग नहीं मिलने से वे अपनी प्रतिभा को निखार नहीं पाते। अगर सही दिशा में उपयुक्त प्रयास किये जायें तो मध्यप्रदेश खेल के मामले में देश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। विभिन्न खेलों के साथ - साथ योग और सूर्य नमस्कार को भी प्राथमिकता देना चाहिये क्योंकि इससे तन और मन प्रसन्न रहता है, शरीर निरोग रहता है। हालाँकि अब इनके प्रति चेतना जाग गयी है और बड़ी संख्या में लोग योग और सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से स्थान दे रहे हैं।

फीचर



तुलसी के पास छिपकली के आना होता है शुभ

धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी प्रचलित हैं। तुलसी के पास छिपकली के दिखने का मतलब आर्थिक लाभ: ज्योतिषाचार्य के अनुसार, तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है। सुख-समृद्धि: तुलसी के पास छिपकली का दिखना समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है। धार्षिक मान्यता: तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों के हित में भारतीय डाक व्यवस्था ने अपनी सार्थक भूमिका सिद्ध की है। ब्रिटिश काल से प्रारंभ व्यवस्थाओं को नया स्वरूप मिलता गया ।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आये हैं और डाक विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की ठोस पहल हुई है ।



क्रांति, राष्ट्रवाद और वैचारिक साहस की अमर गाथा

वीर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन महान राष्ट्रनायकों में से हैं जिनका जीवन केवल अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष तक सीमित नहीं था, बल्कि राष्ट्र, संस्कृति, समाज और इतिहास की पुनर्व्याख्या का साहसी प्रयास था। 26 फरवरी उनकी पुण्यतिथि है, जो भारत के उस क्रांतिकारी विचारक को स्मरण करने का अवसर देती है जिसने राष्ट्रवाद को भावनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक और बौद्धिक आधार प्रदान किया।

वीर सावरकर- प्रारंभिक जीवन: देशभक्ति का संस्कार: वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के भगूर गाँव में हुआ। बचपन से ही उनके मन में देशभक्ति के गहरे संस्कार थे। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की कथाएँ, अंग्रेज़ी शासन के अत्याचार और स्वाभिमान की भावना ने उनके व्यक्तित्व को प्रारंभ से ही निर्भीक और विद्रोही बनाया। किशोरावस्था में ही उन्होंने विदेशी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया।

शिक्षा और क्रांतिकारी चेतना का विकास: पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज में अध्ययन के दौरान

सावरकर की प्रतिभा, संगठन क्षमता और ओजस्वी वक्तृत्व उभरकर सामने आया। उन्होंने युवाओं को संगठित करने के लिए ‘अभिनव भारत’ जैसे क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की। उनके लिए स्वतंत्रता याचना या प्रार्थना का विषय नहीं थी, बल्कि संगठित और सशक्त संघर्ष का मार्ग थी।

लंदन प्रवास और अंतरराष्ट्रीय क्रांति: लंदन प्रवास के दौरान सावरकर ने भारतीय छात्रों और प्रवासी भारतीयों के बीच क्रांतिकारी चेतना को प्रबल किया। वे विदेशी धरती पर रहते हुए भी भारत की स्वतंत्रता के लिए सतत सक्रिय रहे। ब्रिटिश शासन को यह स्पष्ट हो गया था कि सावरकर केवल लेखक या वक्ता नहीं, बल्कि क्रांति के वैचारिक और संगठनात्मक सूत्रधार हैं।

1857: प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वैचारिक स्थापना: वीर सावरकर का ऐतिहासिक योगदान यह रहा कि उन्होंने 1857 के विद्रोह को सिपाही विद्रोह नहीं, बल्कि भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम घोषित किया। उनकी पुस्तक **The Indian War of Independence** (1857) ने औपनिवेशिक इतिहास लेखन को चुनौती दी और भारतीय दृष्टिकोण से इतिहास को पुन: स्थापित किया। यह पुस्तक केवल इतिहास नहीं, बल्कि गुलामी के विरुद्ध वैचारिक विद्रोह थी।

काला पानी: असहनीय यातनाएँ और अडिग संकल्प: ब्रिटिश शासन ने सावरकर को अंडमान की सेल्युलर जेल में दो आजीवन कारावास की सज़ा दी। वहाँ उन्हें कोल्हू में जेतना, बेड़ियों में जकड़ना, एकांतवास और मानसिक-शारीरिक यातनाएँ सहनी पड़ीं। इन अमानवीय परिस्थितियों के बावजूद उनका राष्ट्रबोध और वैचारिक दृढ़ता कभी नहीं टूटी। उन्होंने जेल को भी राष्ट्रचिंतन का केंद्र बना दिया।

हिंदुत्व: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा: वीर सावरकर द्वारा प्रतिपादित हिंदुत्व किसी संकीर्ण धार्मिक परिभाषा का नाम नहीं था। उनके अनुसार हिंदुत्व भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सभ्यतागत पहचान है। वे भारत को एक सांस्कृतिक राष्ट्र मानते थे, जहाँ राष्ट्रीय एकता का आधार साझा इतिहास, भूगोल और जीवन-मूल्य हैं। उनका हिंदुत्व राष्ट्र की एकता और आत्मसम्मान से जुड़ा विचार था।

समाज सुधारक के रूप में सावरकर: सावरकर केवल क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि निर्भीक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने छुआछूत का विरोध किया, जातिगत भेदभाव को राष्ट्र के लिए घातक बताया और मंदिर प्रवेश जैसे आंदोलनों का समर्थन किया। उनका स्पष्ट मत था कि सामाजिक विभाजन राष्ट्र को कमजोर करता है और गुलामी को जन्म देता है।

स्वतंत्रता के बाद उपेक्षा और मौन संघर्ष: स्वतंत्र भारत में भी वीर सावरकर को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान नहीं मिला। राजनीतिक और वैचारिक मतभेदों के कारण उन्हें हाशिए पर रखा गया, किंतु उन्होंने कभी राष्ट्रहित से समझौता नहीं किया। उनका जीवन स्वतंत्रता के बाद भी वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बना रहा।

आत्मार्पण और पुण्यतिथि का अर्थ: 26 फरवरी 1966 को वीर सावरकर ने अन्न-जल त्याग कर जीवन का आत्मार्पण किया। यह सामान्य मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक तपस्वी राष्ट्रभक्त का महाप्रस्थान था, जिसने अपना संपूर्ण जीवन भारत माता को समर्पित कर दिया।

आज के भारत में वीर सावरकर: आज जब भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के दौर से गुजर रहा है, तब वीर सावरकर के विचार और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं, वैचारिक भी होती है और राष्ट्र सर्वोपरि होता है।

वीर सावरकर एक महान देशभक्त थे, हैं और सदैव रहेंगे।

प्रेरणा शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्तव्यपरायणता की सद्बृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर है। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमर्थ दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है।





सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहा जाए? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!



अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखायाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मुदुल इलेफाक से रूममेट बन गए। मुदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मुदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मुदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मुदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह स्पष्ट है-मुदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की क्यूत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती हैं। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती हैं और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाने-बंटाने वह कब आत्मविश्वास पा लेती हैं, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रायर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा प्लेवर या किस तरह का पिज्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछें कि उसके दोस्त की रुचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवाद बच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एन्चूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉन्स्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें। इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।



बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिए ही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ सप्ताह ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपको इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टपड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉयज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंपंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉयज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

युमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपको छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।



छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था- ‘कैसी हो स्वीटहार्ट’ ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है ?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक फेंकी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी खाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।



माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक़्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथे पर उभरने वाले लकीरे आपको खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें। सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और

ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।



इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामणि के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस वेंसड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर के साथ पार्टनरशिप की है। यह फिल्म हर्ब महेश्वर द्वारा लिखी गई। वहीं इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।



युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर वर्धा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेज़ॉन प्राइम विडिओ के वेब सीरीज 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक-दमक के पीछे की अंधेरी दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मेरे वर्ष 2019 से कहना आ रहा है और आज भी कहूँगा और कहूँगा, बल्कि इसे मैनिफेस्ट भी करता हूँ एक दिन मुझे महारु क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करना का मौका मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे ये न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद है, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका

शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्जे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी जरूर जाननी चाहिए।' ऐसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नजर आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं।



अब 'प्रोड्यूसर' बन लोगों का दिल जीतेंगी नित्या मेनन

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, 'मेरे लिए फिल्म बनाना सिर्फ कहानियाँ सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूँ तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है।' अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूँ और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए,

लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छुने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूँगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।' वीडियो में बताया गया है कि केंद्रीय धरती की गुणवत्ता से निकली है, चहलन से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहाँ वे ऐसी कहानियाँ बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएँ और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएँ। नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'शिरुवित्राम्बल' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आईं थीं।



'द वॉर्डरोब' से होगा दित्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकर्मिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म 'द वॉर्डरोब' का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है। टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकी दित्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही है।



पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआँ, गहरे साप और खोप का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है। दित्या ने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत सिंपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूँ कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बैलेंस है।

फिल्म की कहानी एक साधारण-सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। दिव्य, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर से बचकर निकले सनी देओल; आगे खिसकी 'गबरू' की रिलीज डेट

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है।

'गबरू' कब होगी रिलीज?

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल के फैंस की नजर उनकी आगामी फिल्मों पर टिकी है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी एनआइ के मुताबिक, यह फिल्म 08 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में, ह्यू के साथ बातचीत में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा टकराव

फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छगानी के प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कम्पानी आइम रोल में हैं। सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब इसका मुकाबला लक्ष्म ललबानी और अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा। यह फिल्म भी 08 मई को रिलीज होने वाली है। अनन्या और लक्ष्म की फिल्म को करण जोहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' से बच निकले सनी देओल

बता दें कि मार्च में दो बड़ी फिल्मों सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्मों 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही हैं। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त तरीके से सफल रही। इसके दूसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' का भी केज है। संभवतः इन दोनों फिल्मों से भिड़ते से बचने के लिए मेकर्स ने सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज में बदलाव किया है।



फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन रहने के तौर पर पहचानी जाती है। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में



उन्होंने हंस्ते हुए कहा, 'नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एग्जैक्ट ही नहीं कर सकती हूँ। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूँ। हाँ जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूँगी।' बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म 'गांधी टॉक्स' का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपको परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूँ कि प्रियंका उन्हें कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि

लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपको लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है।

एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूँगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखाऊँगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूँ, एक्टिंग नहीं छोडूँगी।

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टैप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चले एक-दो साल लग जाए लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।



ब्रीफ न्यूज

2025 में मेकमाईट्रिप कॉरपोरेट यात्रा की कुल बुकिंग एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप की कॉरपोरेट यात्रा खंड की कुल बुकिंग 2025 में एक अरब डॉलर के पार हो गई। इस सेवा का लाभ 40 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को मिला है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसके कॉरपोरेट मंच क्वेस्ट2ट्रैवल, मायबिज और हैपे पर कुल बुकिंग एक अरब डॉलर से ज्यादा की हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेकमाईट्रिप के पास 500 बड़ी कंपनियों के ग्राहक हैं। इनमें बीएसई 500 की शीर्ष 150 कंपनियां और पूरे देश के 75,000 छोटे और मझोले व्यवसाय शामिल हैं। मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश मागो ने कहा कि हमारा कॉरपोरेट यात्रा कारोबार सामान्य उपभोक्ता व्यवसाय की तुलना में नया है लेकिन केवल पांच सालों में यह बहुत तेजी से बढ़ा है।

स्मार्टफोन से ज़ेट की बुकिंग, कम किराए पर विमान 30 सेकंड में बुकिंग

लंदन। अमेरिका और ब्रिटेन में अब प्राइवेट एंविएशन कंपनियों द्वारा स्मार्टफोन पर हवाई जहाज बुकिंग की सुविधा दी गई है। कम किराये पर बिना बिचौलिए के 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करके उपलब्ध कराने का दावा कंपनियां करने लगी हैं। स्मार्टफोन से बुकिंग का काम, फ्लाई हाउस, जेटली,लेबो डॉट एयरो जैसी कई कंपनियां 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करने का वादा करती हैं। इसके पहले अभी तक यह बड़ा सिर दर्द वाला काम होता था। अब विमानन कंपनियों द्वारा अपने विमान की वीडियो उनकी कीमत और अन्य जानकारी स्मार्टफोन पर उपलब्ध करा दी जाती है। फ्लाई हाउस नामक कंपनी ने एक नया फीचर जोड़ा है। उसमें समान रुचि वाले लोगों के लिए पूरी फ्लाइट के बजाय पर्यट की कुछ सीटों पर बुकिंग की सुविधा देना शुरू कर दी है। जिसके कारण लोग अपने रुचि वाले लोगों के साथ विमान में यात्रा कर पा रहे हैं।

टोयोटा लैंड क्रूजर 300 की कुल 969 यूनिट्स होगी रिकॉल

नई दिल्ली। भारत में वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा ने अपनी लग्जरी एसयूवी लैंड क्रूजर 300 की कुल 969 यूनिट्स को रिकॉल करने का फैसला किया है। एसयूवी में तकनीकी खराबी के चलते यह रिकॉल उन गाड़ियों के लिए जारी किया गया है जिनका निर्माण 4 सितंबर 2024 से 30 सितंबर 2025 के बीच किया गया था। कंपनी के अनुसार, इन वाहनों में ट्रांसमिशन कंट्रोल कंथ्यूटर सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी पाई गई है, जो गाड़ी की गियर शिफ्टिंग और ट्रांसमिशन परफॉर्मेंस को नियंत्रित करता है। सॉफ्टवेयर में मौजूद गड़बड़ी सीधे ड्राइविंग अनुभव और गाड़ी की सुरक्षा पर असर डाल सकती है। बताया गया है कि लैंड क्रूजर 300 में लगे 10-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में गियर बदलने के लिए लीनियर सोलेनोइड्स का उपयोग होता है। सॉफ्टवेयर की दिक्कत के चलते कुछ खास ड्राइविंग स्थितियों में ट्रांसमिशन कंट्रोल यूनिट और बिगन ईसीयू के बीच तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे ओवर-रैविंग की समस्या हो सकती है। इसी जोखिम को देखते हुए टोयोटा ने प्रभावित यूनिट्स की जांच और सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्णय लिया है।

परेशानी

बैंगलुरु में एटीएम पर कैश की किल्लत, नहीं मिल रहे 500 रुपए के नोट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईटी हब बैंगलुरु में इन दिनों एटीएम पर कैश की किल्लत देखने को मिल रही है। शहर के कई इलाकों में लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटक रहे हैं लेकिन पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। खासतौर पर 500 रुपए के नोट की उपलब्धता बेहद सीमित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी और निजी दोनों बैंक अचानक बड़ी नकदी मांग के दबाव में हैं। बैंकों के पास कैश की सप्लाई पूरी तरह रुकी नहीं है लेकिन निकासी में तेजी आने से एटीएम समय पर रिफिल नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप मशीनों में सीमित मात्रा में ही कैश खाला जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

होली से पहले 1 मार्च को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेट अपडेट होंगे। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस दिन नए रेट जारी करेंगी। पिछले पांच साल का ट्रेंड बताता है कि मार्च के महीने में घरेलू और कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़े ही हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर तो हर बार महंगा हुआ है, जबकि इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट मार्च में जब भी बदले, उपभोक्ताओं को झटका ही लगा है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 853 रुपए, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपए में मिल रहा है। यह आंकड़े इंडियन ऑयल की वेबसाइट से लिए गए हैं। इसके अनुसार कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1740.50 रुपए, कोलकाता में 1844.50, मुंबई में 1692 और चेन्नई में 1899.50 रुपए में बिक रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में

तीन बार ही मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बदले। दो बार 1 मार्च को और एक बार 22 मार्च को। एक मार्च 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया था। 6 जुलाई 2022 के बाद रेट में बदलाव हुआ था और दिल्ली में यह 50 रुपए बढ़कर 1103 रुपए पर पहुंच गया था। 14 किलो वाले इस सिलेंडर के दाम कोलकाता में 1129, मुंबई में 1102.50 और चेन्नई में 1118.50 रुपएपर पहुंच गए थे, जबकि साल 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव 22 मार्च को हुआ। इसदिन भी 50 रुपए का इजाफा हुआ था। रेट में बदलाव 6 अक्टूबर 2021 के बाद हुआ था।

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोलकाता में 976, मुंबई में 949.50 और चेन्नई में 965.50 रुपए का हो गया। साल 2021 का मार्च भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को झटका ही दिया। 1



मार्च 2021 को घरेलू एलपीजी सिलेंड दिल्ली में 25 रुपए महंगा होकर 819, कोलकाता में 845.50, मुंबई में 819 और चेन्नई में 835 रुपए का हो गया। पिछले साल यानी 2025 में दिल्ली में

गया। कोलकाता में भी इतना ही महंगा होकर 1913, मुंबई में 1756 और चेन्नई में 1965 रुपए का हो गया था।

साल 2024 में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में 26 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई। 1 मार्च 2024 को यह दिल्ली में 1795 और मुंबई में भी 26 रुपये बढ़कर 1749 रुपये का हो गया। जबकि, कोलकाता में 24 रुपये महंगा होकर 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1911 और चेन्नई में 24 रुपये ही बढ़कर 1961 रुपए का हो गया। साल 2023 में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा। दिल्ली में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 105 रुपये महंगा होकर 2120, कोलकाता में 108 रुपये बढ़कर 2222 रुपये, मुंबई में 106 रुपये उछलकर 2072 रुपये और चेन्नई में 106 रुपये महंगा होकर 2268 रुपये पर पहुंच गए।

सरकार ने की खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती, कीमतों में आएगी कमी

कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खाद्य तेलों की बढ़ी कीमत से परेशान लोगों को राहत देने के लिए मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद 31 मई से बाजार में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी। इस कदम का सीधा असर तेल की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर होगा और कंपनियां जल्द ही नए दामों के साथ तेल उत्पाद बाजार में उतारेंगी। खबरों के अनुसार केंद्र सरकार ने कच्चे पाम, कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी कम कर दी है। अब तक कच्चे पाम ऑयल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क वसूला जा रहा था, इस अब मोदी सरकार ने घटाकर सीधा 10 प्रतिशत किया है।

चूंकि भारत अपनी खाद्य तेलों की जरूरत का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदकर पूरा करता है, इसकारण टैक्स में हुई 10 प्रतिशत की कटौती सीधे तौर पर घरेलू बाजार में तेल की बोतलों और पैकेटों के दाम नीचे लाएगी। शुल्क में कमी के बाद इन तेलों के आयात की लागत कम होगी, जिससे रिफाइनरी कंपनियों को सस्ता कच्चा माल



मिलेगा। माना जा रहा है कि इसका फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

दरअसल भारत पाम ऑयल के लिए मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर निर्भर है, जबकि सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस जैसे देशों से आता है। सितंबर 2024 में जब केंद्र सरकार ने टैक्स बढ़ाया था, तब तेल के दाम अचानक आसमान छूने लगे थे। केंद्र सरकार ने तेल उद्योग से स्पष्ट कहा है कि आयात शुल्क में दी गई राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचना चाहिए। खाद्य तेल कंपनियां अब अपने स्टॉक और नई खेप के हिसाब से अधिकतम खुदरा मूल्य में संशोधन कर रही हैं।

मुकेश की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने करा दी मौज, अनिल की कंपनियों ने किया निवेशकों को निराश



एजेंसी ■ मुंबई

देश के बड़े उद्योगपति मुकेश और अनिल अंबानी के समूहों की कई कंपनियां शेयर बाजार में दर्ज हैं, उनका बोते छह महीने और एक वर्ष का प्रदर्शन निवेशकों के लिए बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। जहां मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कुछ कंपनियों ने सीमित सरकारात्मक रिटर्न दिया, वहीं अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने निवेशकों को भारी नुकसान झेलने पर मजबूर किया।

अनिल के ग्रुप की कंपनियां रिलायंस पावर, रिलायंस

इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस होम फाइनंस और रिलायंस कन्स्यूनिकेशंस में लगातार गिरावट देखने को मिली। छह माह में इन कंपनियों के शेयर 44 से 64 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में भी 30 से 59 फीसदी तक का निगेटिव रिटर्न दर्ज हुआ। दिवालिवा प्रक्रिया में फंसी कंपनियों की स्थिति भी निवेशकों के लिए निराशाजनक रही।

वहीं इसके विपरीत, मुकेश अंबानी के समूह की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले एक साल में करीब 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो समूह की कंपनियों

में सबसे बेहतर रहा। हालांकि, बाकी कंपनियां जैसे नेटवर्क18 मीडिया, हैथवे केबल एंड डेटाकॉम, डेन नेटवर्क्स, रिलायंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, आलोक इंडस्ट्रीज और जस्ट डायल ने पिछले छह महीने और एक साल, दोनों अवधियों में नकारात्मक रिटर्न ही दिया। इन कंपनियों के शेयर 18 से 36 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में यह गिरावट 9 से 29 फीसदी के बीच रही।

कुल मिलाकर, बीते एक वर्ष में अनिल अंबानी समूह की किसी भी कंपनी ने निवेशकों को लाभ नहीं पहुंचाया, जबकि मुकेश अंबानी के समूह में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही भरोसेमंद निवेश विकल्प बनी रही। यह तुलना साफ दिखाती है कि अंबानी समूह की कंपनियों में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक साल में सबसे सुरक्षित और फायदे का सौदा सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही साबित होती।

2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा का डिजाइन फाइनल

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में

2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा जल्द ही कदम रखने वाली है। हाल ही में पहली बार बिना कैमोफलाज के इसकी तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे साफ हो गया है कि मिड-साइकिल फेसलिफ्ट का डिजाइन लगभग फाइनल हो चुका है। एक्सटीरियर में बड़े बदलाव न होते हुए भी कुछ कॉस्मेटिक अपडेट इसे मौजूदा मॉडल से ज्यादा प्रीमियम और आक्रामक बनाते हैं। स्पाई शॉट्स में रिवाइज्ड फ्रंट बंपर, नया ग्रिल, अपडेटेड अलॉय व्हील्स, पतली साइड क्लैडिंग और रियर में फेसलिफ्टेड टेललाइट्स व बंपर देखे जा चुके हैं। ओवरऑल बॉक्सी सिल्यूट बरकरार रहेगा, लेकिन नई ब्रेजा का लुक ज्यादा स्पोर्टी महसूस होगा। इंटीरियर में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। माना जा रहा है कि इसमें बड़ा 10.25-इंच या 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी रही। इनके वायदा भाव भी ऊपर आये। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,66,200 रुपये पर रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी के कारोबार में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछाल के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,008 रुपये बढ़कर 1,60,977 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,59,969 रुपये पर था। वहीं एक समय यह अनुबंध 864 रुपये बढ़कर 1,60,833 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 1,61,072 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,60,611 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ



हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 5,200 रुपये बढ़कर 2,65,944 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,60,744 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही।कॉमेक्स पर सोना आज 5,160 डॉलर प्रति

औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,176.30 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 87.16 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 87.50 डॉलर था। एक समय ये 1.75 डॉलर की तेजी के साथ 89.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

खुदरा ऋण बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसद बढ़कर 162 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई। खुदरा ऋण का बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसदी बढ़कर 162 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। सोने की कीमतों में तेजी, त्योहारी मांग और जीएसटी दरों में कटौती से कर्ज वितरण को बढ़ावा मिला है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान खुदरा ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाला आवासीय ऋण खंड 10.5 फीसदी बढ़कर 43 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, सोने के बढ़ते कर्ज यानी स्वर्ण ऋण में 44.1 फीसदी की वृद्धि हुई और इसका बकाया 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान व्यक्तिगत

ऋण खंड का बकाया भी 11.6 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपए हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती से वाहन कर्ज में 14.6 फीसदी, दोपहिया वाहन ऋण में 12.3 फीसदी और टिकाऊ उपभोक्ता सामान ऋण में 14.3 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य अवधि में एकल स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा लिए ऋण का बकाया 26.2 फीसदी बढ़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर 30 से 180 दिन की देरी वाले खुदरा ऋणों का अनुपात घटकर दिसंबर, 2025 में 2.8 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 3.2 फीसदी था।



ब्रीफ न्यूज

हायर सेकेण्डरी के गणित विषय की परीक्षा में एक नकल प्रकरण दर्ज

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाएँ जिले में संचालित की जा रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस परीक्षा में कुल 8,106 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 7,886 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 220 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान शासकीय कन्या हाईस्कूल, नूराबाद में एक नकल प्रकरण दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं तथा परीक्षा का संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

जिला पंचायत सीईओ ने हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार बुधवार, 25 फरवरी 2026 को आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा (गणित विषय) के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने मुरैना जिले के तीन परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खड़ियाहार, सिहोनिया एवं मिरघान का अवलोकन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का संचालन स्वतंत्र, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होता पाया गया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, गोपनीयता एवं अनुशासन संबंधी व्यवस्थाएँ संतोषजनक रही।

अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास, जुर्माना

मुरैना। न्यायालय अमित प्रताप सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मुरैना द्वारा आरोपी धर्मेन्द्र पुत्र सुरेन्द्र सविता आयु 27 वर्ष निवासी ग्राम गलैया भूरी सिंह का पुरा थाना बागचीनी को अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने एवं संरक्षित दुर्लभ वन्य प्राणियों एवं उनके प्राकृतिक निवास स्थान को नष्ट किए जाने के आरोप में सिद्ध पाते हुए एवं वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के अंतर्गत एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं 7000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि 13 मई 2018 को शाम करीब 04:30 बजे स्थान डाबरपुरा घाट के गुढ़ा चंबल क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य में ट्रॉली एवं ट्रैक्टर सोनालिका 745 डीआई नीले रंग का जिसका पंजीयन नंबर एम.पी. 06 ए.ए. 4332 को बिना अनुमति प्रवेश निषेध होते हुये अनाधिकृत/अवैध रूप से प्रवेश किया एवं उक्त वाहन से अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने के लिए राष्ट्रीय चम्बल अभ्यारण्य में प्रवेश कर वहां पाये जाने वाले संरक्षित दुर्लभ वन्य प्राणियों एवं उनके प्राकृतिक निवास स्थान को क्षति पहुंचायी एवं उक्त वाहन से भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41 के अंतर्गत वन उपज के अभिवहन को विनियमित करने के लिए बनाये गये निषम के उल्लंघन में वन उपज रेत का अवैध रूप से परिवहन किया गया।

कार्रवाई

प्रकरण में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का इजाफ़ कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है

मां-बेटी की मारपीट कर फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिविल लाइन थाना अंतर्गत द्वारिकाधीश गार्डन के पास रास्ते में लगी गाड़ी को हटाने की कहने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए मां बेटी की जमकर मारपीट की और फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना की रिपोर्ट पर से पुलिस ने मामला दर्ज कर तत्काल कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को परियादिया रामा यादव पति राजपाल यादव उम्र 45 साल निवासी सिकरवार गली ने रिपोर्ट दर्ज



काशई कि सुबह करीबन 11:30 बजे वह अपने प्लॉट 12 बीघा द्वारिकाधीश गार्डन के पास खाना लेकर गई थी, रास्ते में गाड़ी लगे होने से मैंने सूरज भदौरिया से गाड़ी हटाने के लिए बोला तो इसी बात के ऊपर से सूरज भदौरिया ने मेरी व मेरी बेटी के साथ मारपीट की एवं पिस्टल से हवाई फायर किये। परियादिया की रिपोर्ट पर से आरोपी के विरुद्ध अप.क्र. 84/26 धारा 115 (2), 296 (ए), 125,351 (2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना श्रीमती

दीपाली चन्दौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाईन द्वारा थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम के साथ घटना स्थल के आस-पास सीसीटीवी फुटेज चैक किए गए एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। थाना प्रभारी उदयभान सिंह ने अपनी टीम के साथ 6 घण्टे के अंदर आरोपी सूरज भदौरिया पुत्र मान सिंह भदौरिया उम्र 25 साल निवासी दुर्गादास वाली गली को गुर्जर मार्केट के पास को महाराजपुर रोड से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 32 बोर की हॉलेट पिस्टल मय 1 जिंदा राउण्ड के जब्त की गई। प्रकरण में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का इजाफ़ कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सत्ता सुधार ■ जौरा

खाद्य पदार्थ विशेष कर मिठाईयां में मिलावट की आशंका एवं होली के त्यौहार को देखते हुए कलेक्टर लोकाेश कुमार जांगिड़ द्वारा खाद्य पदार्थ हलवाईयां की दुकानों पर आकस्मिक निरीक्षण एवं खाद्य सामग्री के नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्यवाही के दिए गए।

निर्देशों के पालन में जौरा में खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह सिरोहिया, अनिल प्रताप सिंह प्रहार की टीम द्वारा पांच स्थानों पर नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान जोधपुर मिश्रान भंडार की

दुकान से मलाई की बर्फी का नमूना लेकर सैंपलिंग की गई दूसरी कार्यवाही चित्रकूट मिश्रान भंडार पुराने बस स्टैंड के पास की दुकान पर कार्रवाई करते हुए मलाई के लड्डू एवं बेसन के लड्डू का नमूना लिया तथा सैंपलिंग की गई तीसरी कार्यवाही अग्रवाल मिश्रान भंडार के यहां पर की गई यहां से मावा का नमूना लिया गया। चौथी कार्यवाही गिर्राज मिश्रान भंडार की दुकान पर की गई उनके यहां से दोन पापड़ी का नमूना लिया व मोर मुकुट मिश्रान भंडार की दुकान से मावा एवं सोनपपड़ी मिठाई के नमूने लेकर सैंपलिंग की गई।

बड़ोखर, ओव्हर ब्रिज एवं अंडर ब्रिज पर दिन भर लगा रहा जाम, एंबुलेंस फंसने से मरीजों की आई आफत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर की यातायात पुलिस कहां व्यवस्था संभाल रही है, इसका जनता को नहीं पता है, लेकिन इतना पता है कि शहर में जगह-जगह जाम लगने से लोग परेशान हैं। एंबुलेंस में आने वाले मरीज भी जाम में फंसकर दम तोड़ रहे हैं, लेकिन यातायात पुलिस आराम फरमा रही है या फिर हाईवे पर अवैध वसूली में जुटी हुई है। शहर की एमएस रोड सहित ओव्हर ब्रिज एवं फाटक बाहर इलाके में हालात बिगड़ते जा रहे हैं और पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। जब कभी ओवर ब्रिज चौराहे पर एक पुलिसकर्मी दिखाई देता है जो व्यवस्था संभालने में पर्याप्त नहीं है।

शहर में बुधवार की दोपहर यातायात की बदहाल तस्वीर देखने को मिली। ये हम नहीं कह रहे, ये आरोप तो शहर के लोग लगा रहे हैं।



अम्बाह बायपास स्थित निवासी लोकेन्द्र तोमर ने

बताया कि जब वो बुधवार को बाइक पर घर से

अज्ञात बदमाशों ने जनरल स्टोर की दुकान से की चोरी, पीछा कर रही पुलिस पर किए फायर

सत्ता सुधार ■ जौरा

जिले के जौरा थाना क्षेत्र में पुरानी रेलवे स्टेशन के पास एक दुकान से चोरी कर कर निकल रहे दो संदिग्ध लोगों को जब पुलिस ने रोका तो वह भागने लगे और पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर फायर ठेक दिए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार एवं बुधवार की रात को गश्ती दल के आरक्षक विपिन कुमार, मेघराज रूनीपुर रोड रेल की पटरी के पास पैदल गस्त कर रही थे। रात्रि 3:30 के आसपास मुंह से कपड़ा बांधे हुए दो संदिग्ध युवक आरक्षकों को नजर आए। दोनों को आवाज लगाई, कौन हो, आवाज लगते ही दोनों बदमाश भागने लगे। आरक्षकों ने पीछा किया तो बदमाशों ने फायर कर दिया। फायर की घटना रेल की पटरी बलू ल्यागी के मकान



के पास हुई है और पीछा करने पर भी बदमाश भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही नगर निरीक्षक दर्शन शुक्ला, सब इंस्पेक्टर पंकज यादव, प्रवेन्द्र सिंह तोमर आदि पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद नागरिकों से घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। बीती रात ही पुराने रेलवे स्टेशन के पास जनरल स्टोर की दुकान चलाने वाले

शैकी जैन की दुकान से भी अज्ञात चोर हजारों का सामान चुरा कर ले गए। शैकी जैन का कहना है कि अज्ञात चोर दुकान से राजश्री की पुड़िया, सिंगरेट, बीड़ी के समान सहित लगभग 12000 से 15000 रूपए भी चुरा ले गए हैं। चोरों द्वारा दुकान के पिछले हिस्से की दीवाल को तोड़कर चोरी की है, कुछ सामान बाहर भी पड़ा मिला, जिसे चोर नहीं

इनका कहना है...

रूनीपुर रोड रेल की पटरी के आसपास रात में गश्ती दल को अज्ञात बदमाश दिखे, गश्ती दल ने उन्हें टोका तो वह रेल की पटरी एवं ल्यागी के मकान के पास फायर कर भाग गए। जनरल स्टोर की दुकान से चोरी की भी घटना हुई है। दोनों प्रकरणों में वैधानिक कार्यवाही कर रहे हैं।

दर्शनलाल शुक्ल, थाना प्रभारी, जौरा

ले जा सके। बदमाशों द्वारा फायर किए जाने की घटना पर से नागरिकों का कहना था कि यदि गश्ती दल का बदमाशों से सामना नहीं होता तो बदमाश रात में कोई भी बड़ी वारदात भी कर सकते थे।

नाबालिक के साथ छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। जिले की पहाड़गढ़ थाना पुलिस ने नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कार्यालय में पेश किया और जेल भेज दिया। बताया जाता है कि 22 फरवरी 2026 की शाम 4 बजे परियादिया मानसी (परिवर्तित नाम) कट्टौली में अपने खेत पर चारा लेने गई थी, तभी पीछा करते हुए



आरोपी दीपू उर्फ दीपक वहां आया और छेड़छाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास किया। परियादिया की उक्त रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना पहाड़गढ़ में मामला दर्ज किया गया। एसडीओपी कैलारस उमेश कुमार

मिश्रा के मार्गदर्शन में राजेन्द्र परिहार थाना प्रभारी पहाड़गढ़ द्वारा टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर सक्रिय किए गए। परिणामस्वरूप पाँकों में वांछित आरोपी दीपू उर्फ दीपक पुत्र परशराम कुशवाह को ग्राम आरानी से गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वेटनरी डॉक्टर की तैयारी कर रहे युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस मामले की जांच में जुटी

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रजई का पुरा गांव में बीती रात्रि वेटनरी डॉक्टर की तैयारी कर रहे एक युवक ने घर के अंदर अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजन जागे, तब घटना का पता चला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस द्वारा पीएम करवाकर लाश परिजनों को सौंप दी है और मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय पुत्र बच्चू सिंह भारती उम्र 30 रजई का पुरा मुंगावली थाना सिविल लाईन ने वेटनरी डॉक्टर का डिप्लोमा कंसीट कर लिया था और तैयारी कर रहा था।



मंगलवार-बुधवार की देर रात माता-पिता एवं परिवार के अन्य सदस्य बाहर के कमरे में सो रहे थे और अजय अंदर के कमरे में सोने

चला गया। सुबह जब परिजन जागे और अजय को जगाने पहुंचे तो दरवाजा खोलते ही सभी के होश उड़ गए। अजय फांसी के फंदे पर कमरे में लटका मिला। इस घटना से घर में कोहराम मच गया और पड़ोसी एकरांत हो गए। घटना की सूचना तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को फंदे से नीचे उतारा। युवक ने आत्महत्या किस कारण के चलते की, फिलहाल घरवाले भी कोई बताते को तैयार नहीं हैं। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम करवाकर लाश उसके परिजनों को सौंप दी गई है तथा मामले की जांच कर रही है।

आजीविका होली मेले का शुभारंभ महापौर ने किया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर चंबल संभाग अंतर्गत मुरैना मुख्यालय में आयोजित आजीविका होली मेले का शुभारंभ महापौर श्रीमती शांदा सोलंकी द्वारा किया गया। यह मेला पंडित रामप्रसाद बिस्मिल शहीद संग्रहालय परिसर में 25 एवं 26 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से मेले को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, जिला परियोजना प्रबंधक दिनेश



सिंह तोमर, मेला प्रभारी वीरेश भदौरिया, उमेश राजौरिया तथा वाणी सचिन धोते सहित भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों की स्व-सहायता समूह की महिलाएं

उपस्थित रहीं। मेले में भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर के स्व-सहायता समूहों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। इन स्टॉलों पर होली पर्व से संबंधित पारंपरिक

उत्पाद जैसे देशी गुजिया, झार के लड्डू एवं गुलरिया प्रदर्शित और विक्रय हेतु उपलब्ध रहे। अतिथियों ने इन व्यंजनों का स्वाद चखा तथा समूहों के कार्यों की सराहना की।

फूड विभाग ने 5 मिठाई की

दुकानों से लिए मिठाइयों के नमूने

सत्ता सुधार ■ जौरा

खाद्य पदार्थ विशेष कर मिठाईयां में मिलावट की आशंका एवं होली के त्यौहार को देखते हुए कलेक्टर लोकाेश कुमार जांगिड़ द्वारा खाद्य पदार्थ हलवाईयां की दुकानों पर आकस्मिक निरीक्षण एवं खाद्य सामग्री के नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्यवाही के दिए गए।

निर्देशों के पालन में जौरा में खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह सिरोहिया, अनिल प्रताप सिंह प्रहार की टीम द्वारा पांच स्थानों पर नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान जोधपुर मिश्रान भंडार की

दुकान से मलाई की बर्फी का नमूना लेकर सैंपलिंग की गई दूसरी कार्यवाही चित्रकूट मिश्रान भंडार पुराने बस स्टैंड के पास की दुकान पर कार्रवाई करते हुए मलाई के लड्डू एवं बेसन के लड्डू का नमूना लिया तथा सैंपलिंग की गई तीसरी कार्यवाही अग्रवाल मिश्रान भंडार के यहां पर की गई यहां से मावा का नमूना लिया गया। चौथी कार्यवाही गिर्राज मिश्रान भंडार की दुकान पर की गई उनके यहां से दोन पापड़ी का नमूना लिया व मोर मुकुट मिश्रान भंडार की दुकान से मावा एवं सोनपपड़ी मिठाई के नमूने लेकर सैंपलिंग की गई।

ब्रीफ न्यूज

मैकेनिक कटोरा लेकर कलेक्टर के पास पहुंचा

हरदा। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एक मैकेनिक अपनी मजदूरी का भुगतान न मिलने पर कटोरा लेकर पहुंचा। खिरकिया निवासी भोला सैनी ने बताया कि सिराली नगर परिषद ने चार महीने पहले उससे एक कचरा गाड़ी की मरम्मत करवाई थी, जिसका भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। सैनी के अनुसार, उसने कचरा वाहन की मरम्मत की थी और उसमें 8,000 रुपये का यूरिया क्वालिटी सेंसर भी लगाया था। मरम्मत और पुर्जे सहित कुल 12,500 रुपए का भुगतान उसे मिलना था। मैकेनिक ने आरोप लगाया कि भुगतान के लिए बार-बार अनुरोध करने और जिला कार्यालय में जनसुनवाई के साथ-साथ 181 पर शिकायत करने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिले। उसकी शिकायतें बिना उसकी सहमति के निराकृत कर दी गईं। सैनी का दावा है कि नगर परिषद ने झूठी जानकारी दी कि उसने कोई वाहन ठीक नहीं किया या कोई पुर्जा नहीं लगाया, और उसे पैसे वसूलने का प्रयास करने वाला बताया। इस मामले पर कलेक्टर जैन ने कहा कि संबंधित व्यक्ति ने गाड़ी की मरम्मत का काम किया था और उसके भुगतान के निर्देश दिए गए हैं। हालाँकि, कलेक्टर ने यह भी बताया कि जब मैकेनिक को गाड़ी से निकाला गया पुराना सेंसर वापस करने को कहा गया, तो उसने किसी और गाड़ी का सेंसर दे दिया। कलेक्टर जैन ने आशंका जताई कि मैकेनिक ने वास्तविक सेंसर देने में धोखाधड़ी की है। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को मैकेनिक का बनता भुगतान करने और यदि धोखाधड़ी हुई है तो उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

जसवाड़ी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर कोमिला गुणवत्ता प्रमाणपत्र

खण्डवा। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली की टीम ने गत 29 दिसम्बर 2025 को आयुष्मान आरोग्य मंदिर जसवाड़ी में स्वास्थ्य सुविधाओं का वर्चुअली मूल्यांकन किया था। मूल्यांकन के दौरान उन्होंने ओ.पी.डी. कक्ष, दवा वितरण कक्ष, स्टोर कक्ष, रिकॉर्ड संधारण एवं संबंधित कर्मचारियों के मूल्यांकन के साथ साथ मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में भी ग्रामीणजनों से चर्चा की थी।

13 श्रद्धालुओं ने रक्तदान कर 'ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग' के दर्शन किए

खण्डवा। रक्तदान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तीर्थस्थल ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार से जिला प्रशासन द्वारा एक नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत ओंकारेश्वर में रक्तदान करने पर ज्योतिर्लिंग मंदिर मे वी. आइ.पी. प्रोटोकॉल अनुसार दर्शन करने की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध होने लगी है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि पहले दिन मंगलवार को कुल 13 श्रद्धालुओं ने ओंकारेश्वर में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान कर निःशुल्क प्रोटोकॉल दर्शन सुविधा का लाभ लिया।

बेहतर उपचार से हीमोग्लोबिन स्तर 1.7 से बढ़कर 8.1 हुआ

जिला अस्पताल के डॉक्टरों के प्रयासों से कमलेश को मिला नया जीवन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

फेंफड़ों के टी.बी. रोग से ग्रस्त हरदा जिले के ग्राम कमताड़ा निवासी कमलेश पिता प्रेमलाल उम्र 28 वर्ष के हीमोग्लोबिन का स्तर घटकर मात्र 1.7 रह गया था। गम्भीर स्थिति को देखते हुए परिजन उन्हें गत दिनों श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा में लेकर आए जहां उसे टी.बी. स्पेशलिस्ट डॉ. नितिन कपूर ने स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा कमलेश का छाती का एक्स-रे एवं अन्य जांच करवाई। जांच में स्थिति की गम्भीरता देखते हुए डॉ. नितिन कपूर एवं टीम जिसमें असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संदीप परिहार, डॉ. स्नेह जनविदे तथा वैशाली चंदवानी के सहयोग से तुरंत मरीज को भर्ती कर इलाज प्रारंभ किया गया। डॉ. कपूर ने बताया कि मरीज को अति गंभीर एनीमिया भी था। डॉ. कपूर ने



सत्ता सुधार ■ खंडवा

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के लिए डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय खंडवा एवं आईसेक्ट समूह की पुरुष क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के गठन के अंतर्गत खंडवा के जिमखाना क्रिकेट ग्राउंड, सूरजकुंड में आयोजित चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक संपन्न हुए। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि ट्रायल्स में निमाड़ एवं आसपास के जिलों से आए लगभग 150 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बैटिंग, बॉलिंग और विकेटकीपिंग में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सुबह से शुरू हुए ट्रायल्स में खिलाड़ियों ने फिटनेस ड्रिल्स, नेट प्रैक्टिस और मैच सिमुलेशन के माध्यम से अपनी तकनीक,



अनुशासन और खेल समझ का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन चयन समिति द्वारा तकनीकी मापदंडों और मैच परिस्थितियों के आधार पर किया गया। सुनील जैन ने बताया कि ट्रायल्स के दौरान युवा खिलाड़ियों में उच्च स्तर का आत्मविश्वास, खेल के प्रति समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।आईसेक्ट समूह द्वारा टीम स्वामित्व के साथ खेल विकास की दिशा में की गई यह पहल क्षेत्रीय प्रतिभाओं को सरंचित मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' का उद्देश्य केवल टीम निर्माण तक सीमित न रहकर खिलाड़ियों को

दीर्घकालिक प्रशिक्षण, पेशेवर मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने ट्रायल्स में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि 'निमाड़ क्षेत्र में क्रिकेट प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इन ट्रायल्स में खिलाड़ियों ने जिस अनुशासन, जुनून और खेल समझ का प्रदर्शन किया है, वह भविष्य के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है। यह चयन प्रक्रिया खिलाड़ियों के लिए केवल अवसर नहीं, बल्कि एक संगठित विकास यात्रा की शुरुआत है। हमारा प्रयास है कि क्षेत्रीय प्रतिभाओं को पेशेवर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी मंच देकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जाए।

नई दमनकारी नीतियों के खिलाफ पनप रहा आक्रोश

पति को जिलाबदर किए जाने पर पत्नी की गुहार

कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंची उर्मिला जैन, दस्तावेज व भरण पोषण सहायता की मांग



और भरण-पोषण तक की समस्या उत्पन्न हो गई है। **सीसीटीवी फुटेज और दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग:** आवेदन में उन्होंने 17 अगस्त 2025 की कथित घटना से संबंधित थाना मोघट रोड के सीसीटीवी फुटेज, रोजनामचा साना तथा सीसीटीएनएस की 24 घंटे की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इन दस्तावेजों की आवश्यकता उन्हें आगे की न्यायिक कार्यवाही के लिए है। उर्मिला जैन ने आवेदन में यह भी मांग की है कि पति की गिरफ्तारी की सत्यता परखने के लिए थाना प्रभारी का नाकों परीक्षण कराया जाए तथा उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो सके।

बस एसोसिएशन द्वारा आंदोलन की चेतावनी

सत्ता सुधार ■ हरदा

नई दमनकारी नीतियों के खिलाफ बस एसोसिएशन का आक्रोश तेजी से पनप रहा है। 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित के स्ट्रेज कैरिज बसों के संचालक के लिए लाई जा रही नई दमनकारी नीति वापस नहीं ली गई तो आगामी 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जायेगी। एसोशियेशन की 22 फरवरी को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया । निर्णय के अनुसार एकजूट होकर आंदोलन की राजनीति तय कर लिये हैं।

समस्या के अनदेखी

नई नीति से उत्पन्न समस्याओं से अवगत कराया गया जिसकी घोर अनदेखी की जा रही है। समस्याओं को देख सुनकर अनदेखा किया जा रहा है। तीन सूत्रीय मांगपत्र मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, मुख्य सचिव, सचिव परिवहन को भेजकर समस्याओं से अवगत कराया गया है। मांग नहीं मानी जाने पर 2 मार्च से आंदोलन शुरू किया जायेगा। आंदोलन अनिश्चितकालीन होगा।



वाहन फिटनेस को बड़ी परेशानी

वाहन फिटनेस को लेकर परेशानी काफी बढ़ गई है। हरदा बस एसोसियेशन के अध्यक्ष भूपेश पटेल, उपाध्यक्ष राहुल पटेल ने जिला कलेक्टर को आवेदन देकर वाहन फिटनेस को लेकर हो रही परेशानी से अवगत कराते हुए फिटनेस सुविधा पुनः चालू करने की मांग की है। पहले यह सुविधा थी अब बंद है जिसके कारण 100 में 150 किलोमीटर जाना पड़ रहा है। धन समय का अपव्यय हो रहा है।



आर.टी.ओ. को फिटनेस देने की सुविधा हो: जायसवाल

राहुल जायसवाल का कहना है कि फिटनेस सेंटर जहां नहीं है वहां आर.टी.ओ. द्वारा फिटनेस दिया जा रहा है। इसी तरह हरदा में भी आर.टी.ओ. को फिटनेस देने की सुविधा प्रदान की जाए।

संशोधन समाप्त किया जाय: पटेल

बस एसोशियेशन के अध्यक्ष भूपेश पटेल का कहना है कि 29 जनवरी 2026 राजपत्र में जो संशोधन किया गया है। उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाये जिससे बसों का परिचालन संचालन सुचारू रूप से हो सके। वर्तमान में जिस व्यवस्था के साथ प्रदेश में बसों का संचालन किया जा रहा है उसे यथावत रखा जाये। अध्यक्ष भूपेश पटेल, उपाध्यक्ष राहुल पटेल ने आगामी राजनीति से शासन प्रशासन को अवगत करा दिया है।

हरदा में फिटनेस सेंटर शुरू होने के पहले आर.टी.ओ. से फिटनेस सुविधा प्रदान करने के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान करने की पहल की जाये जिससे बस संचालकों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सके। अब देखा यह है कि बस संचालकों की इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर द्वारा कौन सा कदम उठाया जाता है।

एसडीएम की मौजूदगी में खत्म हुई हड़ताल



सत्ता सुधार ■ हरदा/सिराली

नगर में सफाई कर्मियों की हड़ताल के चलते उत्पन्न हुई अव्यवस्था के बीच फुटकर व्यापारी संघ ने आगे बढ़कर सफाई की जिम्मेदारी संभाली। व्यापारियों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए विभिन्न स्थानों पर झाड़ू लगाकर और कचरा एकत्रित कर सफाई अभियान चलाया। अभियान

की शुरुआत सब्जी मंडी क्षेत्र से की गई। इसके बाद थाना परिषद के सामने, पुराना बस स्टैंड, गांधी चौक और मस्जिद के पास सफाई की गई। हड़ताल के कारण नगर में अनेक स्थानों पर कचरा जमा हो गया था, जिससे आमजन और ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। फुटकर व्यापारी संघ के अध्यक्ष शेख



असलम ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। व्यापारियों की इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने सराहा इधर जिला फुटकर व्यापारी संघ ने सफाई कर्मियों की मांगों का समर्थन किया। सफाई कर्मी गांधी चौक पर हड़ताल पर बैठे थे जहां एसडीएम तहसीलदार सीएमओ मौके पर पहुंचकर उनसे चर्चा की। संबंधित मांगों पर आश्वासन दिए जाने के बाद सफाई कर्मियों ने हड़ताल को समाप्त करने की घोषणा की हड़ताल समाप्त होने से नगर में नियमित सफाई व्यवस्था बहाल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा को आईएसओ 9001 एवं 14001 प्रमाण पत्र मिला

खण्डवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय खंडवा को मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य करने पर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए आईएसओ 9001 एवं एनवायरमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र क्रमांक 14001 प्रदान किया गया। आईएसओ टीम, नई दिल्ली के प्रतिनिधि शिवांशु तिवारी द्वारा औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा ममता जैन को प्रदान किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा ममता जैन ने दिव्यांग राजू चौहान, राम सिंह चौहान, अमरदास चौहान को ट्राई साइकिल वितरित की गई। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को बैसाखी एवं वाकिंग स्टिक भी प्रदान की गई। प्रधान न्यायाधीश श्रीमती जैन ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि न्याय केवल न्यायालय

तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक कमजोर वर्ग तक पहुंचना ही सच्ची न्याय सेवा है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा को यह प्रमाण पत्र मिलना इस बात का प्रमाण है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा द्वारा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पालन करते हुए जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश उत्तव चतुर्वेदी, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय योगराज उपाध्याय, द्वितीय जिला न्यायाधीश अनिल चौधरी, प्रथम जिला न्यायाधीश अरविंद सिंह टेंकाम, तृतीय जिला न्यायाधीश आशीष प्रताप सिंह वतुर्थ जिला न्यायाधीश वीरेन्द्र जोशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ठाकुर प्रसाद मालवीय, जिला रजिस्ट्रार अरविंद सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पिपूष भावे सहित पैरालीगल वॉलंटियर्स एवं न्यायालय के कर्मचारीमण भी उपस्थित थे।

बताया कि जिला अस्पताल में कमलेश को 4 बोलत खून चढ़ाया गया, जिससे स्थिति में पहले से बेहतर सुधार हुआ। मरीज को समझाया गया कि वह हिम्मत न हारे, बल्कि डॉक्टर के निर्देशों का पालन करे, तो पूरी तरह ठीक हो जाएगा। डॉ. नितिन कपूर ने बताया कि पिछले 10-12 दिनों के लगातार इलाज से कमलेश की स्थिति में काफी सुधार है और वह पहले से काफी बेहतर स्थिति में है। अब कमलेश का हीमोग्लोबिन बढ़कर 8.1 ग्राम हो गया है तथा अभी भी जिला अस्पताल में भर्ती होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहा है। कमलेश ने बताया कि जिला अस्पताल खण्डवा के डॉक्टरों के प्रयासों से उसे नया जीवन मिला है, इसके लिए वह सभी डॉक्टरों का आभार प्रकट करता है। कमलेश ने बताया कि अस्पताल में पूरा इलाज व जांचें निशुल्क होने तथा डॉक्टरों एवं स्टाफ के अच्छे व्यवहार से वह बहुत खुश है।

कौशल विकास योजना के तहत सोलार पी.वी. इंस्टालर का प्रशिक्षण 4 मार्च से

खण्डवा। शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, खंडवा में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत सोलर पी.वी. इंस्टालर का 2 से 3 माह का लघु अवधि प्रशिक्षण 4 मार्च से प्रारंभ हो रहा है। इस प्रशिक्षण में निःशुल्क पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस प्रशिक्षण में सम्मिलित होने के लिए आवेदक 10वीं कक्षा तथा आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक डिप्लोमा उतीर्ण होना चाहिए। इस प्रशिक्षण के लिए आवेदक की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित है। इस प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवा http://www.skillindiadigital.gov.in/ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आवेदक महिला आईटीआई, सिहाड़ा रोड, खंडवा में संपर्क कर सकते हैं।

इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनेनी और सेचुरियन में खेले जाएंगे। इससे बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य धकरी फोलेत्सी मोसेनी ने कहा, टीमों के साथ खेलने को लेकर इससे हमारी टीम और बेहतर होकर

बरसाना में लठामार होली शुरू....

अद्भुत, अद्वितीय, अलौकिक....बरसाना की लठामार होली में लाठियों से बरसा प्रेम

रंगीली गली में हुरियारों का भव्य स्वागत

सत्ता सुधार ■ मथुरा

बरसाना में लठामार होली का उल्लास छाया हुआ है। गलियों में जमकर अबीर-गुलाल उड़ रहा है। रसिया गीतों से गलियां गुंज उठी हैं। देश-विदेश से आए श्रद्धालु राधा रानी के जयकारों के बीच होली उत्सव का आनंद ले रहे हैं। मथुरा के बरसाना में लठामार होली का उल्लास छाया हुआ है। नंदगांव के हुरियारों का बरसाना की रंगीली गली पहुंचते ही भव्य स्वागत किया गया।



अंबर से बरसी गुलाब की पंखुड़ियां

लठामार होली के उल्लास के बीच रंगीली गली पहुंचे नंदगांव के हुरियारों का इस बार अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया। आसमान से बरसी गुलाब की पंखुड़ियों ने पूरे माहौल को भवितरस और उल्लास से सराबोर कर दिया। हेलीकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और चारों ओर जयकारों की गुंज सुनाई देने लगी। जैसे ही नंदगांव के हुरियार रंगीली गली पहुंचे, उसी समय आकाश से गुलाब की पंखुड़ियां बरसने लगीं। श्रद्धालुओं ने इस अद्भुत दृश्य को उत्साह के साथ देखा और पंखुड़ियों की वर्षा के बीच हुरियारे आगे बढ़ते रहे। पूरा बातावरण राधे-राधे के जयघोष और होली के रसिया से गुंज उठा हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा ने लठामार होली के उल्लास को और भी भव्य बना दिया। श्रद्धालुओं ने इसे राधारानी की कृपा का प्रतीक मानते हुए इस पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

दृश्य भी सामने आए। मेला क्षेत्र में बने तमाम बैरियरों पर श्रद्धालु पुलिस से आगे जाने की अनुमति मांगते दिखे। कभी इस नाके पर तो कभी उस नाके पर भक्त मिन्नत करते रहे, लेकिन पुलिस ने सख्ती बनाए रखी। कई जगह श्रद्धालुओं और

पुलिस के बीच कहासुनी और नोकझोंक भी देखने को मिली। दर्शन की जल्दी और बार बार रोक टोक के कारण श्रद्धालु परेशान नजर आए। दूरस्थ पार्किंग स्थलों से पैदल चलकर आने वाले श्रद्धालुओं को सबसे अधिक परेशानी उत्पनी पड़ी।

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव

11 हजार करोड़ रुपए के समझौता जापानों पर किए गए हस्ताक्षर

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपए के समझौता जापानों पर हस्ताक्षर किए गए।

जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्र्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हार्डवेयर और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक परेशान नजर आए। दूरस्थ पार्किंग स्थलों से पैदल चलकर आने वाले श्रद्धालुओं को सबसे अधिक परेशानी उत्पनी पड़ी।



बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्यूटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है। एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ सहयोग के माध्यम से कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार और फार्म मैकेनाइजेशन क्षेत्र में उपस्थिति को मजबूत कर रही है।

मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा

मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा है, ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माण में अग्रणी भारतीय कंपनी है। यह मैक्रॉनिक्स, वायरिंग हार्नेस, प्लास्टिक इंटीरियर, सेंसर और ईवी समाधान उपलब्ध कराती है। जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जिसे जेएई के नाम से जाना जाता है, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस सेक्टर के लिए एडवांस कनेक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस

समाधान में विशेषज्ञता रखती है। नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है। इसके अतिरिक्त ओ एंड ओ ने हार्डवेयर और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर समझौता किया। पहले दिन हुए इन समझौतों को भारत और जापान के बीच औद्योगिक सहयोग को नई गति देने वाला कदम माना जा रहा है।

बीफ न्यूज

बेईली मैरेज हॉल के पास दो पक्षों में मारपीट, फायरिंग की भी चर्चा

बस्ती। मौके पर चर्चा है कि कलवारी थाना क्षेत्र के एक कंक्र्रीट से ईंट बनाने वाले व्यवसायी व नगर थाना क्षेत्र में कंक्र्रीट से ईंट बनाने वाले व्यवसायी के बीच पैसे को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष उक्त मैरिज हॉल के पास आमने-सामने आ गये। कलवारी थाना क्षेत्र के लुबिनी दुइड़ा मार्ग पर स्थित बेईली गांव के मैरेज हाल पर दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट शुरू हो गई। इसी बीच एक पक्ष से फायरिंग किये जाने से अफरा तफरी मच गई। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे की बताई जा रही है। सूचना पर कलवारी थानेदार भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने स्थिति संभालते हुए जांच शुरू कर दिया है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो युवकों की मौत

अमेठी। यूपी के अमेठी में बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसा बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के फुंदनपुर के पास माइनर पुलिया के पास हुआ। मूल रूप से बाहरपुर के पूरे जबर निवासी योगेंद्र सिंह (18) और किशनी निवासी अलाउद्दीन (25) हादसे का शिकार हुए। अलाउद्दीन के पिता मोहम्मद अजीज ने बताया कि वह मंगलवार को देहरादून से घर आया था। बुधवार को गौरीगंज में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए फोटो खिंचवाकर लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही गार्भवती पत्नी आफरीन बदनवास हो गईं। दो वर्ष पूर्व ही उसकी शादी हुई थी।

राजनीति

आशीष पांडेय उत्तर प्रदेश के पहले उम्मीदवार किए घोषित

2027 में 50 फीसदी सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारेगी बसपा!

सत्ता सुधार ■ कानपुर

विधानसभा चुनाव 2027 में बहुजन समाज पार्टी प्रदेश की 50 प्रतिशत सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। होली के बाद पार्टी कानपुर मंडल की 27 सीटों में से करीब 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। यूजीसी प्रकरण के बाद विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में अचानक से ब्राह्मण विरादरी का दखल बढ़ गया है जिससे राजनीतिक दलों खासकर विपक्षी दलों की ओर से इस पर विशेष अमल किया जा रहा है। बहुजन



समाज पार्टी इस पर पकड़ बनाने में सबसे आगे दिखाई दे रही है। पार्टी प्रमुख मायावती के निर्देशन में पदाधिकारियों की ओर से इस फार्मूले पर काम भी शुरू कर दिया गया है। तय किया गया है कि यूपी में

बसपा 40 से 50 सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतार सकती है। जालौन के माधौगढ़ सीट से इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रत्येक विधानसभा सीट पर चार-चार दावेदारों का पैलल बनाकर

उनको कसौटी पर परखा जा रहा है। इन्हीं में से एक को पहले विधानसभा क्षेत्र प्रभारी और बाद में प्रत्याशी घोषित कर दिया जाएगा। प्रभारी बनाने के बाद उसी को प्रत्याशी घोषित करने के लिए

बसपा उसी विधानसभा क्षेत्र में बड़ा सम्मेलन करेगी। अकेले कानपुर मंडल की बात करें तो यहां कुल 27 विधानसभा सीटें हैं। फिलहाल बसपा के पास यहां एक भी विधायक नहीं है।

बसपा विधायक के घर आयकर विभाग का छापा

योगी सरकार के मंत्री ने खोला मोर्चा, दी चेतावनी

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

लखनऊ में बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर और कार्यालय पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। इसे लेकर भाजपा सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने गहरी नाराजगी दिखाई है और आईटी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक्स पर जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि विधायक उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से ज़िंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती है तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी।



दरअसल, दिनेश प्रताप सिंह उमाशंकर सिंह के रिश्तेदार हैं। दिनेश सिंह की बेटी उमाशंकर सिंह के घर ब्याही है। बसपा विधायक के अस्वस्थ होने के दौरान आयकर विभाग की कार्रवाई पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी

ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छाप मार रही है। देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से ज़िंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में ही सारा समय और धन व्यय हो रहा है। सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि विधानसभा का सत्र एक विधायक के लिए

महत्वपूर्ण होता है, लेकिन एक घंटे के लिए भी नहीं जा सके। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती है तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। इस प्रकार की परिस्थितियों में दुर्लभतम अपराधों में भी माननीय न्यायालय दया के आधार पर याचिका स्वीकार करके दोष मुक्त कर देते हैं। किंतु, इस कठिन दौर में भी कौन संवेदनहीन राजनेता या संस्था हो सकती हैं जो ऐसी परिस्थितियों में भी पीड़ा देने की सोच सकता है।

50 लाख रुपए की ठगी में अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी जिले में 50 लाख से अधिक की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 10 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, 200 एपीके फाइलें और विभिन्न एप मिले। फेसबुक पर फर्जी आईडी से क्रेडिट कार्ड बनाने और लिमिट बढ़ाने का विज्ञापन देकर 50 लाख से अधिक की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों को प्रतिबिंब सेल और साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है।



आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के नाम से हूबहू दिखने वाले कूटरचित एपीके फाइल डाउनलोड कराने समेत अन्य माध्यमों से लोगों की कमाई लूटते थे। आरोपियों के पास से 10 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, 200 एपीके फाइलें और विभिन्न एप मिले। आरोपियों में बलिया का अनीश वर्मा, झारखंड, देवघर का निवासी टुकटुक कुमार पंडित और पुरुषोत्तम कुमार है। पुलिस लाइन में डीसीपी क्राइम आकाश पटेल ने बताया कि गिरोह लोगों को क्रेडिट कार्ड बनवाने, लिमिट बढ़ाने के नाम पर फंसाता था। पीडित को वीडियो कॉल कर उसके वर्तमान क्रेडिट कार्ड का विवरण लेते थे।

Building A Sustainable Future

Cement

अजय गोयल

श्री महेश डिस्ट्रीब्यूटर्स

अध्यक्ष: वैश्य महासम्मेलन च. प्र.

स्वागत अध्यक्ष अग्रवाल नवयुवक संघ, लखनऊ

प्रदेश महामंत्री अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन

उपाध्यक्ष अग्रवाल महासभा, ग्वालियर

सचिव बाजार, लखनऊ, ग्वालियर

मो. 9425309792

GIFTSलो

CORPORATE Gifting Solution

+91 - 9993106789, 7771000255

giftslo123@gmail.com

OUR PRODUCTS

- Customised Wallet
- Customised Pen
- Customised Keychain
- Customised Bottle
- Customised Mug
- Customised Ring
- Customised Pendant
- Customised Passport Cover
- Customised Sunglasses Holder
- Customised Bracelet
- Customised Cap
- Customised Hampers

ALL TYPE OF CUSTOMISED ITEMS AVAILABLE